डाक पंजीयन नं. 99/2021—23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.aadhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

PG-5

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

PG-8

सिनेमाः दुनिया के सबसे ऊंचे थिएटर में पहुंची विवेक अग्निहोत्री की फिल्म

वर्ष -08 अंक -19 | प्रयागराज, मंगलवार 22 मार्च, 2022 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

'महामारी, यूक्रेन युद्ध जैसी चुनौतियां आत्मनिर्भरता को महत्वपूर्ण बनाती हैं

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि कोरोना महामारी और यूक्रेन युद्ध जैसी वैश्विक चुनौतियां एक राष्ट्र के लिए आत्मनिर्भर होने को महत्वपूर्ण बनाती हैं। उन्होंने लोगों से स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने की भी अपील की। प्रधानमंत्री मोदी स्वामीनारायण गुरुकुल विश्वविद्या प्रतिष्ठानम (एसजीवीपी) के गुरुदेव शास्त्रीजी महाराज के जीवन पर आधारित पुस्तक 'श्री धर्मजीवन गाथा' के छह खंडों के लोकार्पण समारोह को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनका 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' का नारा शास्त्रीजी महाराज के 'सर्वजन हिताय' के सिद्धांत से प्रेरित है। शास्त्रीजी महाराज के शिष्य माधवप्रियदासजी स्वामी द्वारा लिखित यह पुस्तक उनके जीवन और शिक्षाओं के माध्यम से पाठकों के लिए प्रेरणा के रूप में काम करेगी। उन्होंने कहा कि विश्व में आज हर कोई नई चुनौतियों का सामना कर रहा है। हमने कोरोना वायरस का सामना किया और अब यूक्रेन-रूस युद्ध को झेल रहे हैं। आज की दुनिया में यह अनुमान लगाना बहुत कठिन है कि कब क्या हो जाएगा और उसका हमारे ऊपर क्या प्रभाव पड़ेगा।

आल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप में लक्ष्य सेन के प्रदर्शन की पीएम मोदी ने की सराहना

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन को आल इंग्लैंड चैंपियनशिप में हार का सामना करना पड़ा है। विश्व के 11वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य विश्व के नंबर एक खिलाड़ी विक्टर एक्सेलसेन से रविवार को खिताबी मुकाबले में हार गए। वे भले ही मुकाबले में हार गए हों लेकिन इतने बड़े मुकाबले में उनकी बेहतरीन परफोर्मेंस को देश में काफी सराहा जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी उनके प्रदर्शन की तारीफ की है। पीएम मोदी ने कहा कि लक्ष्य सेन ने मुकाबले में उल्लेखनीय धैर्य दिखाया है और उन्होंने उत्साह के साथ प्रदर्शन किया।

हिजाब मामले पर आज सुप्रीम कोर्ट में होगी सुनवाई, कर्नाटक हाई कोर्ट ने खारिज कर दी थी छात्राओं की याचिका

नई दिल्ली। कर्नाटक हाईकोर्ट के स्कूल-कालेजों में हिजाब पर प्रतिबंध के फैसले के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट आज सुनवाई करेगा। हाईकोर्ट के फैसले के बाद कई छात्राओं ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। बता दें कि हाई कोर्ट ने 15 मार्च को अपने फैसले में कहा था कि हिजाब इस्लाम का अनिवार्य हिस्सा नहीं है और छात्राओं को बिना हिजाब के कक्षाओं में जाना होगा। वहीं हाईकोर्ट के फैसले के बाद कई छात्राओं ने परीक्षा में बैठने से इन्कार किया है। इस बीच हिजाब पर प्रतिबंध का फैसला सुनाने वाले कर्नाटक हाई कोर्ट के जजों को राज्य सरकार द्वारा वाई श्रेणी की सुरक्षा दे दी गई है। मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के अनुसार यह फैसला उस वीडियो के सामने आने के बाद लिया गया है जिसमें जजों को जान से मारने की धमकी दी गई थी। बता दें कि सोशल मीडिया पर वायरल हुए इस वीडियो में जजों को मारने की बात कही गई थी और यह भी कहा गया था कि अगर इनके साथ कुछ गलत होता है तो वो इसके जिम्मेदार नहीं होंगे। दें कि कर्नाटक में हिजाब पर विवाद तब छिड़ा जब राज्य के

उडुपी जिले के एक सरकारी कालेज में हिजाब पहने छात्राओं को अंदर आने से रोका गया और उन्हें हिजाब न पहनने को कहा गया। इसके बाद राज्य के कई और स्कूल-कालेजों में ऐसा हुआ जिसके बाद कई छात्राओं ने कर्नाटक हाई कोर्ट का रुख किया। लेकिन कोर्ट ने छात्राओं की याचिका को खारिज करते हुआ फैसला दिया कि हिजाब धर्म का अनिवार्य हिस्सा नहीं है और स्कूल-कालेज में छात्रों को यूनिफार्म पहनना ही होगा।

संसद में केंद्र सरकार ने सेना में भर्ती को लेकर दिया बयान, युवाओं को मिला आश्वासन

नई दिल्ली। भारतीय सेना में भर्ती मुख्य रूप से कोरोना के प्रसार को रोकने के लिए निलंबित कर दी गई है और सरकार ने इसे रोका नहीं है। संसद को सोमवार को केंद्र सरकार ने सूचित किया। रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट ने राज्यसभा में एक प्रशन के पूरक के उत्तर में कहा कि कोरोना संक्रमण धीमा हो गया है, लेकिन यह अभी खत्म नहीं हुआ है। भारतीय सेना में भर्ती के लिए बड़ी भीड़ आती है। इस उद्देश्य के लिए बड़े (भर्ती) पैमाने पर मेलों का आयोजन किया जाता है। इसलिए हमने सेना में भर्ती प्रक्रिया को निलंबित कर दिया है ताकि वायरस न फैले। हमने इसे रोका नहीं है। सदन में रखे गए लिखित उत्तर के अनुसार, 2020 में भारत में महामारी की चपेट में आने के बाद 2020-21 और 2021-22 के दौरान भारतीय सेना में भर्ती निलंबित रही। हालांकि, सदन में दिए गए उत्तर के अनुसार 2020-21 में भारतीय नौसेना में 2,722 व्यक्तियों और भारतीय वायुसेना में 8,423 व्यक्तियों को भर्ती किया गया था। इसी तरह 2021-22 में भारतीय नौसेना में 5,547 और भारतीय वायुसेना में 4,609 लोगों को भर्ती किया गया था। 2018-19 में 53,431 उम्मीदवारों को

भारतीय सेना में भर्ती किया गया था, जबकि 2019-20 में यह संख्या 80,572 थी। लिखित उत्तर में यह भी कहा गया है कि भारतीय सशस्त्र बलों की जनशक्ति आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त भर्ती की जाती है। सशस्त्र बलों में महिलाओं की लड़ाकू भूमिकाओं में भर्ती के पूरक प्रशन के बारे में भट्ट ने कहा कि सशस्त्र बलों में महिलाओं की भर्ती के प्रावधानों का पालन किया जा रहा है।

सोनिया गांधी मंगलवार को करेंगी हिमाचल प्रदेश के कांग्रेस नेताओं से मुलाकात

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी कल यानी की मंगलवार को दिल्ली में अपने आवास पर हिमाचल प्रदेश के पार्टी नेताओं से मुलाकात करेंगी। हाल ही में हुए पांच राज्यों में कांग्रेस को मिली हार के बाद, पार्टी आगामी चुनावों में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती है। इस साल हिमाचल प्रदेश में विधानसभा के चुनाव होने हैं, इस चुनावी मैदान में उतरने के लिए कांग्रेस ने अभी से अपनी कमर कस ली है। पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी ने इसी सिलसिले में राज्य के पार्टी नेताओं संग कल अपने आवास पर बैठक करेंगी। कयास लगाया जा रहा है कि इस बैठक में सोनिया गांधी जमीनी स्तर पर पार्टी को मजबूत करने के लिए चलाए कार्यक्रम और चुनाव की तैयारी सहित अन्य मामलों पर चर्चा कर सकती हैं। वहीं कांग्रेस युवा शक्ति पर काफी जोर दे रही है, हिमाचल प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कुलदीप राठौर ने हाल ही में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा 'युवा कांग्रेस पार्टी की रीढ़ हैं।' उन्होंने आगे कहा कि प्रदेश में कांग्रेस संगठन मजबूत है और आगामी चुनाव के लिए कांग्रेस पूरी तरह तैयार है। कुलदीप राठौर ने भाजपा

पर निशाना साधते हुए कहा कि विधानसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से बाहर करने में युवा कांग्रेस की अहम भूमिका रहेगी। उन्होंने रैली में घोषणा करते हुए बताया कि विधानसभा चुनाव में युवाओं को टिकट देने की पैरवी की जाएगी। यही नहीं आगामी चुनाव में उतरने से पहले कांग्रेस के वादों की लिस्ट अभी से शुरू हो गई है।

कांग्रेस नेता गुलाम नबी आजाद समेत इन दिग्गजों को आज राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद पद्म पुरस्कारों से करेंगे सम्मानित

नई दिल्ली। राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद सोमवार को राष्ट्रपति भवन में एक नागरिक अलंकरण समारोह में जनरल बिपिन रावत (मरणोपरांत) और कांग्रेस नेता

गुलाम नबी आजाद समेत कई हस्तियों को साल 2022 के पद्म पुरस्कारों से सम्मानित करेंगे। पद्म पुरस्कार तीन श्रेणियों में प्रदान किए जाते हैं - पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री समाचार एजेंसी पीटीआइ की रिपोर्ट के मुताबिक दो हस्तियों को पद्म विभूषण, आठ को पद्म भूषण और 54 को पद्म श्री से सम्मानित किया जाएगा। पूर्व सीडीएस जनरल बिपिन रावत (मरणोपरांत) और गीता प्रेस के दिवंगत अध्यक्ष राधे श्याम को पद्म विभूषण से सम्मानित किया जाएगा। वहीं कांग्रेस नेता गुलाम नबी आजाद, पंजाबी लोक गायक गुरमीत बावा (मरणोपरांत), टाटा संस के अध्यक्ष एन चंद्रशेखरन, पूर्व सीएजी राजीव महर्षि कोविशील्ड के निर्माता सीरम इंस्टीट्यूट आफ इंडिया के साइरस पूनावाला समेत अन्य हस्तियों को पद्म भूषण से सम्मानित किया जाएगा। गौरतलब है कि ये पुरस्कार विभिन्न विषयों और क्षेत्रों जैसे सामाजिक कार्य, सार्वजनिक मामलों, कला, विज्ञान, इंजीनियरिंग, व्यापार, उद्योग, चिकित्सा, साहित्य, शिक्षा, खेल, सिविल सेवा आदि में दिए जाते हैं। 'पद्म विभूषण' अवार्ड असाधारण और विशिष्ट सेवा के लिए प्रदान किया जाता है। वहीं उच्च कोटि की विशिष्ट सेवा के लिए 'पद्म भूषण' जबकि किसी भी क्षेत्र में विशिष्ट सेवा के लिए 'पद्म श्री' पुरकार प्रदान किए जाते हैं। हर साल गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर इन पुरस्कारों की घोषणा की जाती है। राष्ट्रपति भवन में आयोजित होने वाले औपचारिक समारोहों में ये पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। इस साल कुल 128 पद्म पुरस्कार प्रदान किए जा रहे हैं। इस साल दो बार के पुरस्कार दिए जा रहे हैं। यानी कुल चार पद्म विभूषण, 17 पद्म भूषण और 107 पद्म श्री सम्मान दिए जाने वाले हैं। पुरस्कार विजेता हस्तियों में 34 महिलाएं हैं। मरणोपरांत पुरस्कार विजेताओं में 13 हस्तियां शामिल हैं। विदेशियों, एनआरआई, पीआईओ, ओसीआई की श्रेणी में 10 हस्तियां हैं। दूसरा नागरिक अलंकरण समारोह 28 मार्च को आयोजित होने वाला है।

देश में कोरोना के 24 घंटे में सिर्फ 1549 नए मरीज, 31 लोगों की मौत, जानें कितना हुआ वैक्सीनेशन

नई दिल्ली। देश में कोरोना की तीसरी लहर का असर अब खत्म हो गया है। कोरोना के मामलों में लगातार हो रही कमी इसकी तस्दीक कर रही है। देश में बीते 24 घंटे में कोरोना के सिर्फ 1,549 नए मामले सामने आए हैं। जबकि कल यानि रविवार को कोरोना संक्रमण के 1,761 नए मामले सामने आए थे। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कोरोना को लेकर अपडेट जारी किया है। इसमें बताया गया कि इस दौरान 31 लोगों की मौत भी हुई है। देश में कोरोना से अब तक कुल 5,16,510 लोगों की मौत हो चुकी है। स्वास्थ्य मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक, बीते 24 घंटे में कोरोना से 2,652 लोग ठीक भी हुए हैं। इसके साथ ही कोरोना के एक्टिव केस घटकर अब 25,106 हो गए हैं। कोरोना के कुल मामले बढ़कर 4,30,09,390 हो चुके हैं। अब तक इससे 4,24,67,774 लोग ठीक भी हो चुके हैं।देश में अब तक 97 करोड़ से ज्यादा लोगों को कोरोना वैक्सीन की पहली डोज लगाई जा

चुकी है। वहीं, लगभग 82 करोड़ दूसरी खुराक दी जा चुकी है। इसके अलावा प्रीकाशन डोज का आंकड़ा दो करोड़ के पार हो चुका है।देश में अब तक 97 करोड़ से ज्यादा लोगों को कोरोना वैक्सीन की पहली डोज लगाई जा चुकी है। वहीं, लगभग 82 करोड़ दूसरी खुराक दी जा चुकी है। इसके अलावा प्रीकाशन डोज का आंकड़ा दो करोड़ के पार हो चुका है।कोविन वेबसाइट पर जारी आंकड़ों के मुताबिक, देश में 12 से 14 साल की उम्र के 18 लाख से ज्यादा बच्चों को टीका लग चुका है। 15 ले 17 साल की उम्र के 9 करोड़ 17 लाख से ज्यादा बच्चों को वैक्सीन की खुराक दी जा चुकी है। 18 से 44 साल की उम्र के लोगों को 1 अरब से ज्यादा वैक्सीन लगाई जा चुकी है। 45-60 साल की उम्र के लोगों को 40 करोड़ 17 लाख से ज्यादा खुराक जबकि 60 साल से अधिक की उम्र के लोगों को 25 करोड़ 35 लाख से ज्यादा खुराक दी जा चुकी है।

कोरोना की किसी भी लहर का भारत में नहीं पड़ेगा असर, मास्क पहनने में ढील दे सरकार- विशेषज्ञ

नई दिल्ली। दक्षिण पूर्व एशिया और यूरोप के कुछ हिस्सों में कोरोना वायरस संक्रमण के नए

मामलों में फिर से बढ़ोतरी हुई है। इस बीच भारत के विशेषज्ञों का मानना है कि व्यापक टीकाकरण और संक्रमण के बाद बनी प्रतिरोधक क्षमता को देखते हुए देश में भविष्य में किसी भी लहर का गंभीर प्रभाव होने की आशंका नहीं है। विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि सरकार को मास्क पहनने में ढील देने पर विचार करना चाहिए क्योंकि रोजाना सामने आने वाले संक्रमण केनए मामलों और मौतों की संख्या में कुछ समय से लगातार कमी दर्ज की जा रही है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के वरिष्ठ महामारी विज्ञानी डा. संजय राय ने कहा कि सार्स-सीओवी-2 एक 'आरएनए' वायरस है और इसके स्वरूप में बदलाव होना तय है। उन्होंने कहा कि पहले से ही 1,000 से अधिक बदलाव हो चुके हैं, हालांकि, केवल ऐसे पांच स्वरूप सामने आए हैं, जो चिंता का कारण बने हैं। राय ने कहा, 'भारत ने पिछले साल कोरोना की विनाशकारी दूसरी लहर का सामना किया जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण रहा। हालांकि, वर्तमान में हमारी प्रमुख ताकत प्राकृतिक संक्रमण है जो लंबी अवधि के लिए बेहतर सुरक्षा प्रदान करता है। इसके अलावा, उच्च टीकाकरण कवरेज है। इसलिए, भविष्य की किसी भी लहर का गंभीर प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है।

यूक्रेन में मारे गए भारतीय छात्र नवीन का पार्थिव शरीर पहुंचा भारत, पिता ने कहा शोध के लिए दान करेंगे बेटे का शव

नई दिल्ली। यूक्रेन में छिड़े भीषण युद्ध के बीच मारे गए भारतीय छात्र नवीन शेखरप्पा ज्ञानगौडरम का शव आज भारत लाया गया। नवीन के पार्थिव शरीर को लाया विमान सुबह करीब 3 बजे बेंगलुरु हवाई अड्डे पर उतरा, जहां कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने बेंगलुरू हवाईअड्डे पर पहुंचकर नवीन शेखरप्पा के पार्थिव शरीर को श्रद्धांजलि अर्पित की। बीते दो मार्च को रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान गोलीबारी में भारतीय छात्र की मौत हो गई थी। परिजन लगातार शव को भारत लाने की कोशिशों में लगे हुए थे, जो इंतजार आज खत्म हो गया। एयरपोर्ट पर परिवार के सदस्यों ने मृतक को अंतिम श्रद्धांजलि दी और उसके बाद मुख्यमंत्री बोम्मई ने पार्थिव शरीर पर माल्यार्पण किया। कर्सीनाटक सीएम बोम्मई ने हवाई अड्डे के बाहर प्रेस को संबोधित करते हुए कहा, 'मैं यूक्रेन में गोलाबारी में मारे गए नवीन शेखरप्पा ज्ञानगौदर के नश्वर अवशेषों को वापस लाने के लिए प्रयास करने के लिए केंद्र सरकार को धन्यवाद देता हूं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमने उन्हें गोलाबारी में खो दिया।' मृतक मेडिकल छात्र का पार्थिव शरीर लेने के लिए परिवार

के सदस्य राज्य सरकार के अधिकारियों के साथ बेंगलुरु हवाई अड्डे पर मौजूद थे। मारे गए भारतीय छात्र नवीन शेखरप्पा के पिता ने बेंगलूर हवाई अड्डे पर मीडिया से हुई बातचीत में कहा, 'पहले पूजा होगी, उसके बाद बाडी को दर्शन के लिए रखा जाएगा और शाम को उसकी बाडी को एस.एस.अस्पताल दावणगेरे को डोनेट करेंगे। उसका बचपन से डाक्टर बनकर समाज की सेवा करने का इरादा था लेकिन उसे यहां मेडिकल सीट नहीं मिल पाई, फिर उसे यूक्रेन भेजना पड़ा वो डाक्टर बनने का सपना पूरा नहीं कर पाया लेकिन कम से कम आगे आने वाले बच्चों को सीखने में उसकी बाडी से कुछ फायदा होगा इसलिए हमने उसकी बाडी डोनेट करने का फैसला किया है।' नवीन शेखरप्पा ज्ञानगौदर के परिवार ने कर्नाटक के हावेरी में अपने पैतृक स्थान पर अंतिम संस्कार के हिस्से के रूप में श्रद्धांजलि अर्पित की, जिसके बाद उनका परिवार दावणगेरे के एसएस अस्पताल को शरीर दान करेगा। आपको बता दें कि एमबीबीएस के छात्र नवीन शेखरप्पा ज्ञानगौदर कर्नाटक के हावेरी जिले के रहने वाला था। 21 वर्षीय छात्र यूक्रेन में खार्किव नेशनल मेडिकल यूनिवर्सिटी चौथे वर्ष का छात्र था, जो युद्ध के दौरान खाना खरीदने के लिए एक दुकान में लगी कतार में खड़ा था, जब वह रूसी गोलाबारी में मारा गया।

कस्तूरबा विद्यालयों में शिक्षक भर्ती प्रक्रिया चुनाव आचार संहिता में फंसी, अभ्यर्थियों की सूची तो तैयार है

प्रयागराज। प्रयागराज जिले के कस्तूरबा विद्यालयों में पूर्णकालिक व अंशकालिक शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया चुनाव आचार संहिता के फेर में फंस गई है। पहले विधानसभा चुनाव आड़े आया। अब एमएलसी चुनाव की वजह से अभ्यर्थियों की चयन प्रक्रिया रुकी है। बेसिक शिक्षा विभाग ने पूर्णकालिक शिक्षकों के अलग अलग विषयों के कुल 36, अंशकालिक शिक्षकों के कुल 21 पदों के लिए विज्ञापन निकाले थे। लेखाकार, रसोइया, सहायक रसोइया और चौकीदार पद के लिए भी आवेदन मांगे गए थे। सभी आवेदनों की स्क्रीनिंग प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। मेरिट के अनुसार अभ्यथिर्यों की सूची भी बनाई जा चुकी है। बेसिक शिक्षाधिकारी प्रवीण कुमार तिवारी का कहना है कि 15 अप्रैल के बाद चुनाव आचार संहिता समाप्त होगी। तुरंत बाद अभ्यर्थियों के साक्षात्कार आदि की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। बीएसए ने बताया कि पूर्णकालिक हिंदी विषय के शिक्षक के लिए 259 आवेदन आए

थे। इनमें से 88 अभ्यर्थी अलग अलग वजहों से अर्नह पाए गए। 171 अभ्यर्थी काउंसिलिंग के लिए योग्य पाए गए हैं। इसी क्रम में गणित के लिए 93 आवेदन पत्र आए। इनमें से 70 को काउंसिलिंग के लिए पात्र पाया गया। सामाजिक विषय के लिए 122 आवेदन आए इनमें से मात्र 25 अभ्यर्थी योग्य मिले। इनमें चार सामान्य श्रेणी के हैं, 13 पिछड़ी जाति, आठ अनुसूचित जाति के हैं। विज्ञान के पूर्णकालिक शिक्षक के लिए 171 लोगों ने आवेदन किया। इनमें से 137 को र्अह पाया गया। अंग्रेजी के लिए 139 आवेदन आए हैं। इनमें से 116 अभ्यर्थियों को ही काउंसिलिंग के लिए बुलाया जाएगा। कस्तूरबा विद्यालयों में कम्प्यूटर, स्काउट गाइड एवं शारीरिक शिक्षा, कला क्राफ्ट एवं संगीत गृह शिल्प विषय के अंशकालिक शिक्षकों के लिए भी आवेदन मांगे गए थे। कंप्यूटर के लिए 141 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया। इनमें से 97 को अर्न्ह पाया गया। शारीरिक शिक्षा के अध्यापक के लिए 130 आवेदन आए जबकि कला क्राफ्ट, संगीत, गृह शिल्प के लिए 68 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया। इनमें से क्रमशः 114 व 30 को काउंसिलिंग के लिए बुलाया जाएगा। लेखाकार के लिए 38, मुख्य रसोइयां के लिए 36, सहायक रसोइयां के लिए 52, चौकीदार के लिए 43 लोगों ने आवेदन किया। इनमें से क्रमशः 15, 19, 25, 28 अभ्यर्थियों को अर्न्ह मानते हुए काउंसिलिंग के लिए बुलाया गया है। प्रत्येक रिक्त पद के लिए पांच अभ्यर्थियों की प्रतीक्षा सूची तैयार की गई है।

सैनी में युवक की हत्या, ससुर खदेरी नदी के समीप शव फेंक भागे हत्यारे

प्रयागराज। यूपी के कौशांबी जनपद में एक युवक की हत्या कर दी गई। सैनी थाना क्षेत्र के नगर पंचायत अझुवा के समीप ससुर खदेरी नदी स्थित के पास मंगलवार की सुबह लाश मिली तो हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच-पड़ताल कर शव कब्जे में ले लिया। युवक की जघन्य हत्या की गई थी। हालांकि अभी युवक की शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस जांच-पड़ताल कर रही है। नगर पंचायत अझुआ के ग्रामीण मंगलवार की सुबह ससुर खदेरी नदी की ओर गए थे। वहां करीब 30 वर्षीय युवक का शव पड़ा देखा। ग्रामीणों का कहना है कि लाश के निकट चार पहिया वाहन के निशान भी दिखे। इससे अनुमान लगाया गया कि संभवत अन्यत्र युवक की हत्या कर लाश यहां सुनसान इलाके में हत्यारों ने फेंक दी है। शव के निकट ही शराब की पाउच और चिप्स के

पैकेट के अलावा घड़ी मिला। युवक का बायां हाथ टूटा था और गर्दन पर फंदे का काला निशान था। इससे गला घोंटकर मारने का भी कयास लगाया जा रहा है। यही नहीं ग्रामीणों की मानें तो युवक के सीने में दाहिनी तरफ एक छेद भी है, इससे यह भी अनुमान लोग लगा रहे हैं कि उसे गोली भी मारी गई होगी। युवक को चादर से बांधा गया था। उसकी बाडी अकड़ गई थी। पर सैनी पुलिस मौके पर पहुंची। घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद ग्रामीणों से पूछताछ के बाद पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद भी पता चल सकेगा कि मामला क्या है। फिलहाल युवक की पहचान की कोशिश की जा रही है। प्रतापगढ़ जिले में पट्टी कोतवाली क्षेत्र के सदहा गांव निवासी बृजेश पांडेय के 18 वर्षीय पुत्र रवि पांडेय (शाहिल) का शव मंगलवार के भोर में उनके घर से थोड़ी दूर पर स्थित आम के बाग में आम के पेड़ से लटकता हुआ मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस शव को उतारकर उसका पंचनामा कर रही है। फिलहाल पुलिस जांच-पड़ताल कर रही है कि यह आत्महत्या का मामला है या फिर हत्या का।

विधान परिषद सदस्य चुनाव हेतु सामान्य प्रेक्षक नियुक्त

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी डा0नितिन बंसल ने बताया है विधान परिषद सदस्य स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन-2022 के अन्तर्गत स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र प्रतापगढ़ हेतु भारत निर्वाचन आयोग द्वारा सामान्य प्रेक्षक कंचन वर्मा (आई0 ए0 एस0) को नियुक्त किया गया है। प्रेक्षक हेतु लो0नि0वि0 प्रान्तीय खण्ड (बी0आई0पी0 सूट गंगा) प्रतापगढ़ का अतिथि गृह आरक्षित किया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने सामान्य प्रेक्षक के साथ अधिकारियों/कर्मचारियों की ड्यिटी लगा दी है। सामान्य प्रेक्षक हेतु लायजन आफिसर के रूप में सहायक अभियन्ता पीएमजीएसवाई मनीष केसरवानी मोबाइल नम्बर 8127126090, कार्यालय वाणिज्य कर के स्टेनो राजेश कुमार सिंह 9452381604 को तैनात किया गया है। उन्होने सामान्य प्रेक्षक हेतु आरक्षित अधिकारियों/कर्मचारियों के रूप में लायजन आफिसर के रूप में ए0आई0जी0 स्टाम्प शैलेन्द्र सिंह व कार्यालय लोक निर्माण विभाग निर्माण खण्ड-2 के स्टेनो जनार्दन सिंह पटेल को नियुक्त किया है।

07 प्रत्याशियों ने किया एमएलसी का नामांकन

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र प्रतापगढ़ में उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य पद के निर्वाचन हेतु नामांकन स्थल विकास भवन के कक्ष सं0-02 में आज जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी डा0 नितिन बंसल के समक्ष कुल 7 प्रत्याशियों ने नामांकन किया। भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी हरि प्रताप सिंह निवासी अजीत नगर, निर्दलीय मधुरिमा निवासी ग्राम व पोस्ट जामों तहसील गौरीगंज जनपद-अमेठी, निर्दलीय कैलाश नाथ निवासी ग्राम काशीपुर मोहन पोस्ट परसीपुर कुण्डा, निर्दलीय राम दयाल वर्मा निवासी ग्राम चौखड़ पूरेअन्ती पोस्ट गड़वारा व निर्दलीय राजेन्द्र प्रसाद मौर्य निवासी ग्राम गम्भीरा पोस्ट कटरा गुलाब सिंह द्वारा नामांकन किया गया। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य पद हेतु अब तक कुल 07 प्रत्याशियों क्रमशः समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी विजय बहादुर यादव, जनसत्ता दल के प्रत्याशी अक्षय प्रताप सिंह, भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी हरि प्रताप सिंह, निर्दलीय मधुरिमा, निर्दलीय कैलाश नाथ, निर्दलीय राम दयाल वर्मा व निर्दलीय राजेन्द्र प्रसाद मौर्य द्वारा नामांकन किया गया है। इस दौरान सामान्य प्रेक्षक कंचन वर्मा, पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल, मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0)/सहायक निर्वाचन अधिकारी मुकेश चन्द्र उपस्थित रहे। विधान परिषद के सदस्य पद हेतु नाम निर्देशनों की संवीक्षा 22 मार्च, नाम वापसी की अन्तिम तिथि 24 मार्च तथा मतदान दिनांक 09 अप्रैल को होगा।

ग्रामीणों ने पकड़ा कोटे का राशन, किया हंगामा

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। विकास खंड लक्ष्मणपुर के ग्राम पंचायत मझवारा का कोटा इस समय सराय मकई से सम्बद्ध है।वह राशन न बाँट कर कालाबाजारी कर लेता है।रविवार को ग्रामीणों ने उसे रँगे हाथ पकड़ा सराय मकई के कोटेदार ने ग्रामीणों को राशन न देकर वाहन पर लदवा कर बाजार में बेचने के लिए भेज दिया।जैसे ही ग्रामीणों को इसकी भनक मिली ग्रामीणों ने राशन को अपने कब्जे में लेकर हंगामा करना शुरू कर दिया। बताते हैं कि सराय मकई का कोटेदार अपने प्रधान की मिलीभगत से अपने गाँव के लोगों का अँगूठा लगवा लेता है लेकिन वह राशन नहीं देता है।इन दिनों मझवारा का कोटा भी उसके यहाँ सम्बद्ध है।उस गाँव के ग्रामीणों से भी वह अँगूठा लगवा लेता है लेकिन राशन का वितरण नहीं करता है।वह राशन को बाजार में अक्सर भेज दिया करता है।जब ग्रामीणों को यह भनक लगी कि सराय मकई का कोटेदार मझवारा का राशन वाहन पर लदवा कर बेचने जा रहा है तो आनन-फानन में ग्रामीणों ने वाहन को घेर लिया और हंगामा करना शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने इसकी सूचना जेठवारा थाने को दी। पुलिस भी मौके पर पहुँच कर मामले को सुलझाने में लगी रही।बताते हैं कि सप्लाई इंस्पेक्टर को बुलाया गया। वह भी हीला हवाली करता रहा। बिना सप्लाई इंस्पेक्टर के हस्ताक्षर के एफ आई आर दर्ज नहीं की जा सकती।इसलिए सप्लाई इंस्पेक्टर भी कोटेदार को बचाने में लगा रहा जिससे ग्रामीणों में और भी अधिक आक्रोश है।ग्रामीणों ने जिलाधिकारी का घेराव कर अपने अधिकारों को प्राप्त करने की बात कही है।सप्लाई इंस्पेक्टर से संपर्क करने की कोशिश की गई लेकिन उनका संपर्क न होने के कारण कथन प्राप्त नहीं हुआ।

प्रयागराज शहर में जबरदस्त हो रहा भूगर्भ जल का दोहन नहीं चेते तो होगी किल्लत

प्रयागराज। भूगर्भ जल संकट को देखते हुए पिछले एक-दो दशकों से चलाए जा रहे जल संरक्षण अभियान का कुछ असर दिखने लगा है। एक दशक पहले जो ब्लाक डार्क जोन में थे, अब वहां पर कुछ सुधार है लेकिन सुरक्षित नहीं हुए हैं। इसी बीच शहरी क्षेत्र डार्क जोन में चला गया है। यहां पर पानी का अंधाधुंध दोहन हो रहा है। फिलहाल जिले के 23 ब्लाकों में आठ ब्लाक और शहरी क्षेत्र में जल संकट है। इसके अलावा अन्य ब्लाक सुरक्षित हैं। पिछले कुछ दशकों से भूगर्भ जल का अंधाधुंध दोहन हो रहा है। जिस हिसाब से भूगर्भ जल की निकासी हो रही है, उस हिसाब से रिचार्ज कम हो रहा है। तालाब भी पाट दिए गए और नहरों और बरसाती नदियों में अवैध कब्जे हो गए हैं। भूगर्भ जल विभाग की 2013 की रिपोर्ट के मुताबिक जिले के पांच ब्लाक होलागढ़, बहादुरपुर, धनूपुर डार्क जोन में थे। इन ब्लाकों में वाटर लेवल तेजी से गिरा और रिचार्ज बहुत कम हुआ। वह रिपोर्ट आने के बाद प्रदेश सरकार सक्रिय हुई। इन ब्लाकों में मेड़बंदी और तालाब खोदाई का काम हुआ।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार हाईकोर्ट में आज हाजिर होंगे, अवमानना नोटिस जारी हुई थी

प्रयागराज। इलाहाबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रोफेसर एनके शुक्ल आज यानी मंगलवार को इलाहाबाद हाई कोर्ट में हाजिर होंगे। हाई कोर्ट ने प्रो. शुक्ल को अवमानना नोटिस जारी किया था। साथ ही कोर्ट ने उन्हें 22 मार्च को हाजिर होने का निर्देश दिया था। इसी के तहत आज उन्हें हाई कोर्ट में हाजिर होना है। कोर्ट ने रजिस्ट्रार से पूछा है कि क्यों न उनके खिलाफ अवमानना का आरोप तय किया जाए। यह आदेश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर ने हरेंद्र प्रताप सिंह और 30 अन्य की अवमानना याचिका पर दिया है। कोर्ट ने कहा कि आदेश के खिलाफ यूनिवर्सिटी ने विशेष अपील दाखिल की है मगर, अंतिम निस्तारण के कोई प्रयास

नहीं किए गए। साथ ही कोर्ट के आदेश का पालन भी नहीं किया जा रहा है। दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम के तहत यूनिवर्सिटी ने स्व वित्तपोषित पत्राचार पाठ्यक्रम शुरू किया। अध्यापकों को वेतन भुगतान किया गया। हालांकि, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने इसे स्वीकार नहीं किया और अनुदान देने से मना कर दिया। वेतन भुगतान नहीं होने पर याचिका दायर की गई। हाईकोर्ट ने विश्वविद्यालय के कुलपति और कुलसचिव से याचियों के वेतन के भुगतान करने का आदेश दिया। इसके खिलाफ अपील दाखिल है किंतु आदेश पर रोक नहीं है। आदेश की अवहेलना करने पर अवमानना याचिका दायर कर दंडित करने की मांग की गई। जिस पर कोर्ट ने कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण के साथ कुलसचिव को तलब किया है। अब प्रोफेसर एनके शुक्ल आज हाईकोर्ट में हाजिर होंगे। वहां वह अपना पक्ष प्रस्तुत करेंगे। इसके बाद कोर्ट मामले में अगला निणर्य लेगी। दरअसल तत्कालीन कुलपति प्रोफेसर रतन लाल हांगलू के निर्देश पर अचानक विश्वविद्यालय के अभिन्न अंग रहे पत्रचार संस्थान बंद कर दिया गया था। वहां ले कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखा दिया गया था। इसके बाद यह प्रकरण कोर्ट पहुंचा।

प्रतापगढ़ में आखिरी दिन भाजपा प्रत्याशी सहित पांच ने किया नामांकन

प्रतापगढ़। विधान परिषद सदस्य (स्थानीय प्राधिकारी क्षेत्र) के चुनाव के नामांकन के आखिरी दिन भाजपा प्रत्याशी हरि प्रताप सिंह, निवर्तमान एमएलसी अक्षय प्रताप सिंह की पतने मधुरिमा सिंह सहित पांच प्रत्याशियों ने परचा भरा। मंगलवार को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी। जबकि 24 मार्च को नाम वापस लिए जा सकेंगे। विधान परिषद सदस्य (स्थानीय प्राधिकारी क्षेत्र) के चुनाव के लिए नामांकन की प्रक्रिया चार फरवरी से शुरू हुई थी। उस दौरान जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के प्रत्याशी व निवर्तमान एमएलसी अक्षय प्रताप सिंह ने नामांकन कर दिया था। फिर सात फरवरी को चुनाव प्रक्रिया स्थगित करके इसे मार्च में बढ़ा दिया गया था। पहले तो नामांकन की आखिरी तिथि 19 मार्च घोषित की गई थी, लेकिन चार दिन छुट्टी होने के कारण नामांकन की आखिरी

तिथि 21 मार्च बढ़ा दी गई थी। आखिरी दिन नामांकन को लेकर सोमवार को काफी गहमागहमी थी। सीओ सिटी अभय पांडेय भारी तादाद में फोर्स के साथ नामांकन स्थल पर डटे थे। सबसे पहले करीब 12:13 बजे निवर्तमान कैबिनेट मंत्री राजेंद्र प्रताप सिंह उर्फ मोती सिंह, पूर्व मंत्री शिवाकांत ओझा, सदर विधायक राजेंद्र मौर्य, भाजपा जिलाध्यक्ष हरिओम मिश्र, शिव प्रकाश सेनानी, जिला पंचायत सदस्य पूनम इंसान, राघवेंद्र शुक्ल पहुंचे और फिर दो मिनट बाद समर्थकों के साथ नगाड़े की धुन पर भाजपा प्रत्याशी व पूर्व विधायक हरि प्रताप सिंह नामांकन स्थल पर पहुंचे। इसके बाद प्रस्तावकों व जिलाध्यक्ष, शिव प्रकाश सेनानी के साथ हरि प्रताप सिंह नामांकन कक्ष में पहुंचे और चार सेट में नामांकन पत्र जिला निर्वाचन अधिकारी डा.नितिन बंसल को सौंपा। थोड़ी देर बाद सपा प्रत्याशी विजय यादव के भाई विनोद यादव प्रस्तावकों के साथ पहुंचे और विजय यादव की ओर से नामांकन पत्र का एक सेट प्रस्तावक माधुरी देवी जिला निर्वाचन अधिकारी को सौंपा। दोपहर करीब एक बजे निर्दलीय प्रत्याशी व निवर्तमान एमएलसी अक्षय प्रताप सिंह की पतनी मधुरिमा सिंह कोड़रा मादूपुर की प्रधान पूनम सिंह, अधिवक्ता हनुमान प्रसाद पांडेय, जीवेंद्र पाल के साथ पहुंची और दो सेट में नामांकन पत्र जिला निर्वाचन अधिकारी को सौंपा। फिर निर्दलीय प्रत्याशी व सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष डा.केएन ओझा ने दो सेट में नामांकन पत्र दाखिल किया। इसके अलावा निर्दलीय प्रत्याशी राम दयाल वर्मा व राजेंद्र प्रसाद मौर्य ने भी नामांकन किया। इस तरह कुल सात प्रत्याशियों ने नामांकन किया है। अब मंगलवार को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी और 24 अप्रैल को नाम वापस लिए जा सकेंगे।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

भारत सरकार की कौशल विकास योजना में अगस्त 2021 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित ट्रेड प्रवेश योग्यता तथा प्रस्तुत विभिन्न पाठ्यक्रमों की अवधि इस प्रकार है-

क0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा	1 वर्ष	12वीं पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वीं पास
3.	बेसिक कम्प्युटिंग	6 माह	साक्षर
4.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वीं पास
5.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वीं पास
6.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वीं पास
7.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वीं पास
8.	सर्टिफिकेट इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वीं पास
9.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वीं पास
10.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वीं पास
11.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वीं पास
12.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वीं पास
13.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वीं पास

1.प्रमाण पत्रः- सफल प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो केंन्द्रीय सरकार एवं राज्य सरकार के अधीनस्थ पद एवं सेवा में भर्ती के लिए मान्य है। **2.चयन की प्रक्रियाः-** इस वर्ष कोविड-19 महामारी के चलते सभी सीटों पर दाखिले पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर किये जायेंगे। **3.आयु सीमाः-** उम्मीदवारों की आयु 1 अगस्त 2021 को न्यूनतम 14 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। **4.आवेदन कैसे करेः-** आवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते है तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है। **5.**आवेदन फॉर्म भरते समय पंजीकरण शुल्क रूपये 2665/- का भी देय होगा। **6.कक्षायें/उपस्थितिः-** छात्रों की उपस्थिति में दो भाग शामिल है- थ्योरी क्लास और ट्रेनिंग इस वर्ष कोविड-19 स्थिति के कारण सभी छात्र संस्थान द्वारा आयोजित ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेंगे तथा उसके लिए संस्थान में छात्रों की भौतिक उपस्थिती की अनिवार्यता नहीं है, जब तक कोविड-19 की वर्तमान स्थिति समाप्त नहीं हो जाती है। प्रशिक्षण के लिए छात्रो को प्रधानाचार्य की अनूमति के साथ, अपने सम्बंधित मूल स्थानों पर प्रशिक्षण पूरा करने की अनुमति है। परीक्षा के समय छात्रों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। **7.छात्रवृत्तिः-** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिनके पास आय प्रमाण पत्र एवं सम्बन्धित दस्तावेज मौजूद हो वे सभी भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है। **8.** अधिक जानकारी के लिए संस्थान की वेबसाइटः- **www.nainiiti.com** देखें। **9.दाखिले की अंतिम तिथिः-** 31 मार्च 2022

सम्पर्क सूत्र :- 0532-2695959, 9415608710, 9807278552, 9415608790

संचारी रोगो पर नियंत्रण रोकने के लिए अभियान शुरू

(आधुनिक समाचार सेवा)
सर्वेश कुमार यश

वाराणसी (हरहुआ)। विकास खंड के हरहुआ ब्लाक मुख्यालय पर संचारी रोगो पर नियंत्रण के संबंध मे ब्लाक स्तरीय टास्कफोर्स की बैठक हुई,जिसमे संचारी रोग नियंत्रण और दस्तक अभियान की सफलता के लिये सभी तैयारियो के पूर्ण होने की समीक्षा की गई। चिकित्सा प्रभारी डा आर के सिंह ने बताया कि भावी कायर्योजना और माइक्रोप्लान के बारे जानकारियां दी। वही खंडशिक्षा अधिकारी प्रीति सिंह ने अभियान मे जागरूकता बढ़ाने के लिए अध्यापको की भूमिका के बारे मे प्रकाश डाला। उएडीओ सहकारिता अवधेश सिंह ने कहा कि संचारी रोगो से लड़ने के लिये स्वच्छता और जागरूकता के लिये सफाई कर्मियो और पंचायत सचिवो को सक्रिय होना होगा। एडीओ पंचायत गुलाब सिंह , बोरिंग टेकनेशियन, प्रदीप पाल ,रवीन्द्र यादव इत्यादि लोग मौजूद रहे।

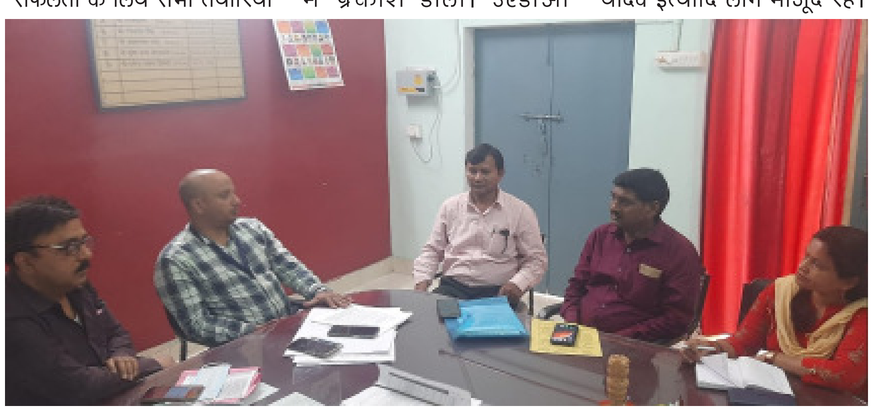

तो क्या वाराणसी में निर्दल प्रत्याशी का समर्थन करेगी भाजपा, दिया वॉकओवर

वाराणसी । भाजपा सरकार वाराणसी स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र से एमएलसी चुनाव के लिए किसी प्रत्याशी को खड़ा नहीं करेगी। लगभग तय माना जा रहा है कि इस बार भाजपा की ओर से निर्दल प्रत्याशी विधायक बृजेश सिंह या निर्दल प्रत्याशी अन्नपूर्णा सिंह का समर्थन किया जा सकता है। लगभग तीन दशक से यह सीट इसी परिवार के कब्जे में है। परिवारवाद का विरोध करने वाली भाजपा के सिद्धांत क्या इस चुनाव के लिए नहीं होंगे, यह सब आगे और स्पष्ट होगा। सपा की ओर से पहले ही प्रत्याशी की घोषणा की जा चुकी है। कांग्रेस पहले ही इस चुनाव से तौबा कर चुकी है। बसपा की ओर से अभी तक कुछ भी स्पष्ट नहीं है। बहरहाल, आज नामांकन का आखिरी दिन है। तीन लोगों ने पहले ही नामांकन कर दिया है। इसमे विधायक बृजेश सिंह व उनकी पत्नी पूर्व विधायक अन्नपूर्णा सिंह, लोकदल के प्रत्याशी जयराम पांडेय शामिल हैं। इस चुनाव में वाराणसी, चंदौली, भदोही के प्राधिकरण से जुड़े निर्वाचित प्रतिनिधि

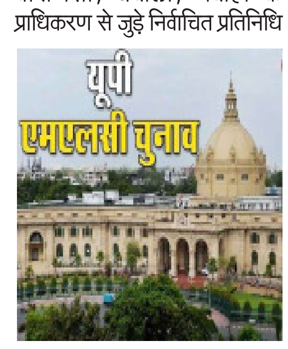

मतदान करेंगे। ग्राम पंचायत के प्रधान, बीडीसी सदस्य, जिला पंचायत के सदस्य, नगर निगम के पार्षद, महापौर, पालिका परिषद के सदस्य, नगर पंचायत के सदस्य, छावनी परिषद के सदस्य, क्षेत्र से जुड़े विधायक, सांसद, विधान परिषद सदस्य आदि इस चुनाव में मतदाता होते है। वाराणसी प्राधिकरण क्षेत्र से वाराणसी, भदोही, चन्दौली में कुल मतदाता की संख्या 4949 है। सर्वाधिक वोटर वाराणसी में हैं। आरओ की भूमिका में वाराणसी के जिलाधिकारी कौशल राज शर्मा व एआरओ की भूमिका में चंदोली, भदोही व वाराणसी के एडीएम होंगे। इस चुनाव को सकुशल कराने के लिए प्रभारी अफसरों की तैनाती की जा चुकी है। मतदान नौ अप्रैल को तय है। स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र से एमएलसी सीट पर किस्मत आजमाने वालों को नामांकन पत्र दाखिल करने वालों के लिए सोमवार अंतिम दिन है। निर्वाचन आयोग ने होली के अवकाश के कारण नामांकन की अंतिम तिथि 19 मार्च से बढ़ाकर 21 मार्च कर दी थी। वाराणसी सीट के लिए अब तक सिर्फ तीन नामांकन हुए हैं। ये एमएलसी बृजेश सिंह, उनकी पतनि पूर्व एमएलसी अन्नपूर्णा सिंह व लोकदल के जयराम पांडेय हैं। दरअसल सरकार ने 19 मार्च (शनिवार) को होली का सार्वजनिक अवकाश घोषित कर दिया।

तराना नहीं यह साज पेश करता था आंसुओं का नजराना, किस्सा भारत रतन उस्ताद बिस्मिल्लह खां साहब की चांदी की शहनाई का

वाराणसी। शहनाई की मंगल ध्वनि से सुबह-ए-बनारस के होठों पर मुस्कान सजाने वाले उस्ताद बिस्मिल्लाह खां साहब की शहनाई का मिजाज साल के खास दो दिनों में कुछ इस कदर मातमी हो जाता था की हर धुन लेकर आती थी दर्द का सैलाब। हर फूंक की लरज

ऐसी की सुनने वालों का कलेजा चाक-चाक खां साहब इनके जरिए शहीदाने कर्बला को सिराजे अकीदत पेश करते, उनकी शहादत को याद फरमाते थे। इसमें भी मुहर्रम की आठवीं तारीख की रात दरगाह-ए-फातमान में गूंजने वाली उनकी चांदी मढ़ी कदीमी शहनाई का तो कहना ही क्या जो पहले सुर के साथ ही कर्बला के हौलनाक मंजर का आइना बन जाती थी। वाकये के जानकार लोगों की तो बात छोड़िए, नावाकिफ लोगों को भी जार-जार रुला जाती थी। खां साहब जब तक जिंदा रहे उन्होंने यह रवायत कभी टूटने न दी। एक लरज मात्र से दिलों में दर्द का तूफान उठा देने वाली चांदी की शहनाई में आखिर क्या खास बात थी और कैसे यह वजूद में आई, इसका किस्सा एक ऐसी ही आठवीं तारीख की रात फातमान में बड़े मौके से हाथ आई। एक गैर रस्मी मुलाकात में यह कहानी खुद उस्ताद जी ने ही सुनाई। बात उस्ताद जी के किशोरावस्था की थी जब वह अपने मामू लोगों की सरपरस्ती में अपने फन को चमका रहे थे। बस यूं ही मन में ख्याल आया कि हाथों में यदि चांदी की चमचमाती हुई शहनाई तो कार्यक्रमों में बस रुआब गालिब हो जाए। लाडले भांजे की बात कौन टाले। कारीगर को शहनाई पर मढ़े के लिए पर्याप्त चांदी दे दी गई। हुआ यह कि इत्तेफाक से चांदी के पत्तर वाला खोल सूत-दो सूत संकरा पड़ गया। कारीगर ने साज के काठ पर दो-चार रंदा ज्यादा ही मार दिया। पता नहीं हुआ क्या साज के सुर में एक अजीब सा भारीपन आ गया। उस दिन उस्ताद बताने लगे-पहले दिन जब साज में पहली फूंक दी तो सुर में एक अलग तरह की भर्राहट मानो कोई विलाप कर रहा हो। मुझे लगा जैसे हुसैनी कुनबे की लाशों से पटे कर्बला के मैदान से जनाबे जैनब के रुदन की आवाज कानों तक आ रही हो। रोएं सिहर गए, दिल भर आया, आंखें नम हो गईं। दूसरे ही दिन से मैंने इस साज पर मोहर्रमी नौहों की धुनें साधनी शुरू कर दी। जाने कौन सा जादू था जितना बजाता, आंसुओं में डूबता चला जाता। बस, इरादा किया और उसी दिन से यह साज शहीदाने कर्बला के नाम कर दिया।

आज भी सपा के साथ मजबूती से खड़े हैं ओमप्रकाश राजभर आजमगढ़ में बोले राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव

आजमगढ़। विधानसभा चुनाव का परिणाम ऐतिहासिक रहा है। भाजपा हमें पीछे करना चाहती थी, लेकिन जनता ने हमारा सम्मान बढ़ाया है। हमारी नीतियों को समर्थन दिया है। सरकार भले नहीं बनी, लेकिन हमारी सीट और वोट फीसद बढ़ा

है। ईवीएम पर बहस नहीं, लेकिन कई जगह काउंटिंग रोकी गई और हमारे प्रत्याशी को हराया गया। वाराणसी दक्षिण की सीट पर कुछ ऐसा ही हुआ। 20 राउंड तक हम जीत रहे थे, लेकिन 25वें राउंड में 10 हजार वोटों से हरा दिया गया। इसका आडियो, वीडियो भी जारी हुआ। यह बातें सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कही। बगैर किसी पूर्व सूचना के निर्धारित समय से 15 मिनट पहले सदर विधायक दुर्गा प्रसाद यादव के आवास पर पहुंचे अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश में दूसरी बार भाजपा की सरकार बनी है। हम उम्मीद करते हैं कि अबकी पहले की तरह से झूठ नहीं बोलेगी और अपना वादा पूरा करेगी। उन्होंने कहा कि चुनाव परिणाम की समीक्षा पर बहस न हो, इसके लिए कश्मीर फाइल रिलीज कर दी गई।इस फिल्म से होने वाले मुनाफे को कश्मीरी पंडितों को स्थापित करने की जरूरत है। इसके लिए बनने वाली कमेटी में पालिटिकल लोगों को शामिल नहीं किया जाना चाहिए। कमेटी में कश्मीरी पंडित हों, ताकि वह अपने स्तर से धन खर्च कर सकें। सपा अध्यक्ष ने कहा कि नीति आयोग के आंकड़े पर सरकार को सोचना होगा कि प्रदेश कैसे आगे बढ़े। साथ ही उन्होंने जोड़ा कि सरकार को समय देना चाहिए। शपथ ग्रहण में शामिल होने के सवाल पर कहा कि मुझे नहीं लगता कि जा सकूंगा, क्योंकि न्योता नहीं मिला है। ओमप्रकाश राजभर और अमित शाह की मुलाकात के बारे में कहा कि यह भाजपा वालों की न्यूज हो सकती है। ओमप्रकाश आज भी सपा के साथ मजबूती से खड़े हैं। विधान परिषद चुनाव पर कहा कि चुनाव जीतने के लिए हमें इस बार प्रशासन से भी लड़ना पड़ेगा।भाजपा द्वारा घोषित प्रत्याशी के बारे में कहा कि भाजपा की सूची में जातिवादी सोच दिख रही है। हम जारी करते तो जातिवादी हो जाते। उन्होंने कहा कि हम चुनाव में हारे नहीं हैं। आगे हमारा वोट व सीट कैसे बढ़ेगी और भाजपा घटेगी, इसे सपा जानती है।महंगाई, बेरोजगारी हमारा मुद्दा होगा। हमने अपने मेनिफेस्टो में भी इसे शामिल किया था। युवा चाहता भी था कि सपा की सरकार बने और नौकरी मिले। उन्होंने कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर देश में लोकतंत्र चाहते थे और अंबेडकर वादियों को साथ लेकर आगे बढ़ेंगे। उन्होंने बसपा पर सीधे तौर पर तो कोई आरोप नहीं लगाया, लेकिन कहा कि ऐसी चर्चा सुनने में आई थी कि बसपा ने अपना वोट भाजपा को ट्रांसफर कर दिया। चलते-चलते जिले के सांसद बने रहने के सवाल पर यह कहकर टाल दिया कि सभी नेताओं से राय लेकर फैसला करेंगे।

२ लाख के इनामी मनीष सिंह सोनू का एनकाउंटर, घटना के बाद इलाके में मची सनसनी

(आधुनिक समाचार सेवा)
सर्वेश कुमार यश

वाराणसी। प्रदेश में योगी सरकार की वापसी के साथ ही अपराधियों पर कड़ा शिकंजा कसना शुरू हो चुका है। इसी कड़ी में सोमवार को वाराणसी के लोहता में कुख्यात अपराधी मनीष सिंह उर्फ सोनू को यूपी एसटीएफ ने मुठभेड़ में मार गिराया। इस बाबत एसटीएफ आईजी लखनऊ की ओर से बताया गया कि शातिर अपराधी मनीष सिंह उर्फ सोनू पर दो लाख का इनाम था। पूर्वांचल के वाराणसी, जौनपुर और गाजीपुर सहित तमाम जिलों में उसकी आपराधिक गतिविधियां काफी समय से चर्चा में रही हैं। एसटीएफ को सोनू की लोकेशन लोहता के पास मिलने के बाद कार्रवाई शुरू हुई तो टीम ने मुठभेड़ में उसे ढेर कर दिया। मनीष सिंह उर्फ सोनू सिंह जो वाराणसी के नरोत?तमपुर, लंका का मूल निवासी था और इन दिनों चोलापुर के सुलेमापुर में रहता था। 5 अप्रैल 2021 को शूलटंकेश्वर के पास हुई एनडी तिवारी हत्याकांड का मुख्य शूटर था सोनू सिंह। यूपी में योगीआदित्यनाथ की दूसरी सरकार बनने के बाद पहला बड़ा एनकाउंटर है। मनीष सिंह पर वाराणसी के अलावा अन्य जिलों के थाने में भी केस दर्ज हैं। वाराणसी चौक, कैंट,

कोतवाली, चौबेपुर, भेलूपुर, फूलपुर, सिगरा, रोहनिया, लंका, चेतगंज में मुकदमा है। वहीं सीतापुर, शाहजहांपुर, आजमगढ़ के देव गांव, जौनपुर के देव गांव, गाजीपुर के नंदगंज में पुलिस के रिकार्ड में नाम है। पहले सोनू पर एक लाख का इनाम घोषित था, जिसे 28 अगस्त को चौकाघाट काली मंदिर के पास हुए डबल मर्डर की घटना में सीसीटीवी फुटेज में चिन्हित होने के बाद एडीजी वाराणसी जोन वृजभूषण की संस्तुति के बाद दो लाख का इनाम कर दिया गया था। तब से पुलिस उसकी तलाश में थी। मनीष सिंह सोनू का नाम रोहनियां के एक व्यापारी से दस लाख की रंगदारी मांगने में सामने आया था। वर्ष 2021 के पांच अप्रैल को शुलटंकेश्वर से दर्शन-पूजन कर लौट रहे एनडी तिवारी की हत्या में भी उनका नाम सामने आया था। सितंबर 2020 में भी मिर्जापुर के चुनार में एक कंपनी के अधिकारी से रंगदारी मांगने और हत्या के मामले में नाम सामने आया था।

वाराणसी के अजगरा सीट पर 178 बूथों पर पिछड़ गए थे भाजपा के त्रिभुवन राम

वाराणसी । अजगरा विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के त्रिभुवन राम (टी राम) ने समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी सुनील सोनकर को हराया था। टी राम ने इस बार रिकार्ड 1,01,088 मत पाए लेकिन उनकी जीत का अंतर मात्र 9160 रहा जबकि भाजपा गठबंधन 2017 में 21349 मतों के अंतर से जीता था। इस बार भाजपा का सपा से कड़े संघर्ष का ही परिणाम रहा कि टी राम 178 बूथों पर सपा से पिछड़ गए। इसमें कई बूथ तो ऐसे थे जहां पर टी. राम तीसरे नंबर पर रहे। विधानसभा क्षेत्र में भाजपा और सपा में कड़े संघर्ष और रोचक मुकाबले का आलम यह रहा कि खुटहां गांव में स्थापित बूथ संख्या 287 पर टी राम को मात्र दो मत और सुनील को 458 मत मिले। यहीं पर बूथ 286 पर टी राम को 64 तो सपा को 272 वोट मिले। भौमी गांव के तो मात्र तीन लोगों ने टी राम को वोट दिया जबकि सपा को 365 लोगों ने अपना समर्थन दिया। चौबेपुर खुर्द के बूथ 352

पर भाजपा-सपा को मात्र 12-12 वोट मिले जबकि यहां बसपा के रघुनाथ चौधरी को 353 वोट मिले। भाजपा प्रत्याशी बहुत से बूथों पर पिछड़ गए। इसमें पंचायत भवन अहिरान पर टी राम को 32 तो सपा के सुनील को 692 वोट मिले। इसी प्रकार काशी कृषक इंटर कालेज हरहुआ के बूथ संख्या 10 व 11 पर टी. राम को 56 व 74 वोट तो सुनील को 402 व 321 वोट मिले। इंदरपुर के बूथ 53 व 54 पर टी. राम को 52 व 46 वोट तो सुनील को 495 व 160 वोट, तेवर के बूथ 188 पर टी राम को 73 तो सुनील को 474 वोट, टेकारी में टी राम को 55 तो सुनील को 712 वोट, पियरी में टी राम को 13 तो सुनील को 499 वोट, रौना खुर्द के बूथ 320 पर टी राम को 12 तो सुनील को 398 वोट, बहरामपुर के बूथ 381 पर टी राम को 71 तो सुनील को 336 वोट, धौरहरा के बूथ 390 पर टी राम को 20 तो सुनील को 418 वोट, हरिहरपुर के बूथ 394 पर टी राम को 20 तो सुनील को 414 वोट मिले। ये तो कुछ उदाहरण हैं। ऐसे बूथों की संख्या 178 रही है। भाजपा प्रत्याशी विस क्षेत्र के ग्राम सभा जमालपुर, वार, धरमनपुर, नवलपुर, इंद्रवार, माधोपुर, उंदी, रैचनपुर, रूपचंदपुर, कुरौली, डिहवा, कोहासी, सिंहपुर, लालमनकोट, कटारी, हरदासीपुर, खरदहां, मुरेरी, ताला, बबियांव, टेकारी, हथियर खुर्द व कला, उधोरामपुर, पियरी, गरथौली, बहरामपुर, हरिहरपुर, सरैया, श्रीकंठपुर, उगापुर, रामपुर आदि में भी पिछड़ गए।

लिखित परीक्षा के बाद होगा प्रैक्टिकल वाराणसी में आनलाइन कंट्रोल रूम बनाए गए

वाराणसी । यूपी बोर्ड के हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की परीक्षाएं 24 मार्च से होगी। वहीं प्रायोगिक परीक्षा की तिथि बोर्ड ने अब तक नहीं जारी किया है। इस बार लिखित परीक्षा के बाद बोर्ड ने प्रैक्टिकल कराने का निणन्य लिया है। यूपी बोर्ड 24 मार्च से शुरू हो रहे हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की परीक्षाएं नकल विहीन कराने के लिए कटिबद्ध है। शुचिता पूर्वक परीक्षा कराने के लिए बोर्ड ने सेक्टर, जोनल, जनपद से लगायत प्रदेश स्तर पर टीम गठित की है। परीक्षाओं पर मानीटरिंग के लिए प्रदेश व जनपद स्तर पर आनलाइन कंट्रोल रूम बनाए गए हैं। इसके अलावा शिक्षा माफियाओं पर नजर रखने के लिए एसटीएफ व एलआइयू को भी सतर्क कर दिया गया है। इस प्रकार 24 मार्च से सिर्फ छात्रों की ही नहीं बल्कि बोर्ड की भी परीक्षा हो रही है। क्षेत्रीय बोर्ड कार्यालय, वाराणसी ने परिक्षेत्र के सभी 15 जनपदों के डीआइओएस को छात्र नामावली, डेस्क स्लिप व प्रवेश पत्र होली से पहले ही भेज दिया है। वाराणसी सहित अन्य जिलों में डीआइओएस कार्यालय से विद्यालयों को भी छात्र नामावली, डेस्क स्लिप व प्रवेश पत्र सौंपी जा चुकी है। परीक्षार्थियों को संबंधित कालेजों से ही प्रवेश पत्र मिलेगा। प्रवेश पत्र के लिए कई विद्यालयों ने छात्रों को 21 मार्च को बुलाया है। दूसरी ओर बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी को लेकर 21 मार्च को दोपहर 12 बजे निवेदिता शिक्षा सदन बालिका इंटर कालेज (महमूरगंज) में केंद्राध्यक्षों की एक बैठक बुलाई गई है।

वाराणसी में बने पश्मीना के उत्पाद इसी सप्ताह होंगे लांच कश्मीर के बाद यह कला पहली बार पहुंची उत्तर प्रदेश

वाराणसी। काशी के बुनकर अब स्थानीय तौर पर पश्मीना ऊन से निर्मित उत्पाद स्थानीय स्तर पर तैयार कर ग्लोबल प्रोडक्ट का निर्माण कर रहे हैं। इस सप्ताह के आखिर तक बनारस में निर्मित

पश्मीना उत्पाद पीएम नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र में इस सप्ताह के आखिर तक लांच कर दिए जाएंगे। इसके साथ ही पश्मीना के उत्पादों में पूर्वांचल के वाराणसी और गाजीपुर का नाम पहली बार दर्ज हो जाएगा। वाराणसी में पश्मीना उत्पादों को लेकर खादी ग्रामोद्योग की ओर से वाराणसी और गाजीपुर के किसानों को प्रशिक्षण दिया गया है। इसके बाद यहां के बुनकरों को पश्मीना ऊन भी उपलब्ध कराया गया है। बुनकरों को ऊन के यह धागे लदाख से लाकर उपलब्ध कराए गए हैं। केवीआइसी यानी खादी ग्रामोद्योग संस्था के चेयरमैन विनय कुमार सक्सेना के अनुसार यह पहला मौका है जब हेरिटेज क्राफ्ट जम्मू कश्मीर से आकर पूर्वांचल में बुनकरों की स्किल को विकसित कर उत्पादों को बेहतर मौका देने का प्रयास किया जा रहा है। वाराणसी में इसके लिए तीस दिनों तक सेवापुरी आश्रम में बुनकरों को प्रशिक्षण भी दिया गया है। खादी संस्थानों से लेह से धागे निर्मित होने के बाद प्रोसेज होकर वाराणसी भेजा गया है। यह पूरा कार्य खादी ग्रामोद्योग के चेयरमैन के लदाख के उपराज्यपाल आरके माथुर से मुलाकात के बाद बीते वर्ष मुलाकात के बाद अब धरातल पा रहा है। उपराज्यपाल की पहल पर 50 मीट्रिक टन प्रतिवर्ष पश्मीना ऊन का उत्पादन होने की जानकारी दी गई थी। इसमें कुल 500 किलोग्राम पश्मीना के धागों को निर्माण और प्रोसेज के लिए नई दिल्ली से वाराणसी भेजने की तैयारी की गई थी। अब खादी बोर्ड के चेयरमैन की पहल पर पश्मीना के इन उत्पादों को आनलाइन प्लेटफार्मी पर बेचने की सहूलियत भी बुनकरों को दी जाएगी। वहीं तैयारियों के लिए खादी बोर्ड की ओर से प्रशिक्षण के उपरांत लेह के धागा बनाने वालों को उपकरण भी उपलब्ध कराए गए हैं। वहीं लेह में 25 उच्च गुणवत्ता वाले लूम भी स्थापित कराए गए है जहां से कम मेहनत के साथ सभी अपेक्षित प्रकार के फैब्रिक का निर्माण करना संभव हो सकेगा। वहीं और भी चरखा कारीगरों को उत्पादन बढ़ाने के लिए जल्द ही उपलब्ध कराया जाएगा।

तापमान बढ़ने से वातावरण में बढ़ी प्रदूषण की मात्रा, बढ़ती भीड़ से धूल उड़ने के कारण दिक्कत

वाराणसी । मौसम में आई तब्दीली ने बनारस की हवा भी प्रदूषित कर दी है। अप्रत्याशित रूप से बढ़े तापमान के कारण हो रही प्रचंड धूप से जहां वातावरण की नमी खो गई है, वहीं वातावरण में बढी धूल ने हवा को इस कदर दूषित कर दिया है कि वह अब सांस रोगियों के लिए फांस बनने लगी है। मार्च महीने में देखें तो 15 मार्च तक ही मौसम का तापमान 36 डिग्री सेंटीग्रेड पहुंच गया था और अब इसे पार करते हुए 39 डिग्री सेंटीग्रेट के पास जाने को आतुर दिखा। ऐसे में हवा जहां शुष्क हो चली है, वहीं मौसम में धूल के कण काफी बढ़ गए हैं। इधर, त्योहार के बाद बड़ी भीड़ ने भी इसमें इजाफा ही किया है। नतीजा, यहां औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 100 से ऊपर जा पहुंचा है और अभी गंभीर श्रेणी में आ पहुंचा है। मार्च माह की शुरुआत से ही वायु गुणवत्ता सूचकांक के उतार-चढ़ाव को देखें तो बढ़ते और घटते फुटप्रिंट तथा वाहनों की भीड़ तथा विरलता के साथ यह चढ़ता उतरता रहा। शुरुआती हफ्तों में चुनावी दौर में जहां यह 125 के आसपास बना रहा, वही 5 मार्च के बाद चुनाव प्रचार बंद होते ही 100 से नीचे संतोषजनक श्रेणी में आ गया। इसके बाद चुनाव परिणाम की घोषणा होते ही निकले विजय जुलूसों ने गर्दिश बढ़ा दी और वायु गुणवत्ता सूचकांक फिर 125 से 140 के बीच जा पहुंचा। इसके बाद होली त्योहार के अवकाश में दो दिनों में तक वायु गुणवत्ता सूचकांक 100 से नीचे आ गया और हवा संतोषजनक श्रेणी में जा पहुंची लेकिन रविवार को स्थिति सामान्य होते ही यह पुनः 125 के आसपास पहुंच गया। क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण अधिकारी कालिका सिंह बताते हैं कि ऐसे मौसम में भी वायु गुणवत्ता सूचकांक का 100 से 125 के बीच बने रहना यह दर्शाता है कि जनपद में विकास कार्यो के पूर्ण होने से तथा अधिकांश वाहनों के सीएनजी होते जाने से यह नियंत्रण में है। वरना पिछले वर्षो में इन दिनों में वायु गुणवत्ता सूचकांक 200 के पार पहुंच जाता था।

डीजे की धुन पर नाचते रहे कर्मी, मासूम बच्ची की तड़प कर मौत

बभनी (सोनभद्र)। स्थानीय थाना क्षेत्र के बजिया ग्राम पंचायत में नहर के बने चैंबर में गिरने से तीन वर्षीया सुमन पुत्री श्याम लाल पानी की मौत हो गई। स्वजन किसी तरह उसे पानी से निकालकर अचेतावस्था में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए जहां उसकी मौत हो गई। मृतका के पिता का आरोप है कि अस्पताल के कर्मी होली पर डीजे की धुन पर नाचते रहे और घटना की सूचना देने के एक घंटे बाद अस्पताल में आए, तब तक बालिका की मौत हो चुकी थी। पिता ने डाक्टर पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। सुमन गांव में स्थित नहर में खेलते खेलते नहर के बने चैंबर में गिर गई थी। पानी ज्यादा होने के कारण डूब गई। पिता श्यामलाल ने आरोप लगाया कि वह बेटी को अस्पताल में उपचार के लिए लेकर दौड़ते रहे। सूचना के करीब एक घंटे बाद पहुंचे चिकित्सक ने बेटी मृत घोषित कर दिया। मौके पर पहुंचे प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार सिंह ने आक्रोशित परिजनों को समझा बुझाकर शांत कराया। उधर संविदा चिकित्सक अरविद ने बताया कि वे कमरे में थे। जानकारी मिलने पर बच्ची को देखने पहुंचे लेकिन तब तक बच्ची की सांस थम चुकी थी।

टूट कर गिरा विद्युत खंभा, बिजली आपूर्ति ठप

गुरमा (सोनभद्र)। नगवां विकास खंड के चेरुई ग्राम पंचायत में शुक्रवार की रात विद्युत खंभा टूटकर गिर गया। ग्रामीणों ने खंभा गिरने की सूचना लाइनमैन को दी। इसके बाद बिजली की आपूर्ति ठप कराई गई। शुक्रवार की रात से लेकर अब तक यहां बिजली की आपूर्ति नहीं बहाल की जा सकी थी। इससे लोगों में आक्रोश व्याप्त है।

किशोरी के साथ छीटाकशी को लेकर दो पक्षों मारपीट

चील्ह । क्षेत्र के धौरहरा गांव में एक किशोरी से छींटाकशी की बात को लेकर रविवार को मारपीट हुई। इसमें तीन लोगों को हल्की चोटें आई। पुलिस ने चार लोगों को हिरासत में लिया है। धौरहरा गांव की एक किशोरी घर के पास के हैंडपाइप पर पानी भरने गई थी। आरोप हैं इसी दौरान चार युवाओं ने उसके साथ छींटाकशी की। किशोरी ने अपने भाई से इसकी शिकायत की तो उसने रविवार की दोपहर युवाओं से आपत्ति जताया। इसको लेकर चारों युवाओं ने उसके भाइयों की पिटाई कर दी।

मीरजापुर 2-0 व धसड़ा की टीम ने 2-1 से जीता मैच

लालगंज (मीरजापुर)। बापू उपरौध इंटर कालेज के सामने मिलिट्री ग्राउंड पर एक दिवसीय स्व. श्रीज्ञान प्रकाश त्रिपाठी व स्व. कालिका प्रसाद सिंह क्षेत्रीय स्मारक वालीबाल प्रतियोगिता का आयोजन शनिवार को किया गया।

लीड के साथ लगाएं कुएं में गिरने से दो लोगों की मौत

बभनी (शक्तिनगर)। जिले के बभनी व शक्तिनगर थाना क्षेत्र में शुक्रवार की रात कुएं में गिरने से दो लोगों की मौत हो गई। बभनी क्षेत्र के चौना गांव निवासी शिव कुमार (26) पुत्र रामजीत निवासी चौना सनन करने गया था। इस दौरान उसका पैर अचानक फिसल गया और वह कुएं में गिर गए जिससे उनकी मौत हो गई। उधर शक्तिनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत एनसीएल खड़िया खदान क्षेत्र के न्यू सीएसपी वर्कशाप के समीप गुरुवार को एक बुजुर्ग महिला का शव कुएं में मिलने से सनसनी फैल गई। मृत महिला का नाती राजू ने बताया कि शव उसकी दादी सिमरिया देवी (70) पत्नी स्व. हंसलाल बैगा का है। वह खड़िया खदान बैरियर 3 के पास रहती थी।

आजादी के अमृत महोत्सव में गीतों की गूंज

शक्तिनगर (सोनभद्र) । एनटीपीसी शक्तिनगर की ओर से आयोजित चार दिवसीय आ ादी के अमृत महोत्सव का समापन बुधवार को हुआ। लोगों के स्वस्थ मनोरंजन के लिए म्यूजिकल नाइट कार्यक्रम में गीतों की गूंज रही। कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति से खूबसूरत समा बांधा गायक कुणाल गांजावाला व ओलिवा 2006 ी बांग्ला सारेगामापा विन्ने ने फिल्मों के कई मधुर गीत पेश किए। गीत कल में हम तुम करे धमाल, दिल ने दिया, ओह हमदम सोनियो रे से समा बांधा। दिवंगत बप्पी लहरी को गीत कभी अलविदा न कहना के माध्यम से श्रद्धांजलि दी। जनता की मांग पर होली के मौके पर पग घुंघरू. छोरा गंगा किनारे वाला, रंग बरसे भीगे चुनर वाली गीत भी सुनाए। गायक ओलिवा ने स्वर कोकिला लता मंगेशकर को उनके गीत लग जा गले, तेरे बिन दिगी से श्रद्धांजलि दी। अतिथि एसके दासगुप्ता पूर्व परियोजना प्रमुख, बसुराज गोस्वामी मुख्य महाप्रबंधक एनटीपीसी शक्तिनगर, जयिता गोस्वामी अध्यक्ष वनिता समाज ने दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। बसुराज गोस्वामी व जयिता गोस्वामी वनिता समाज की अध्यक्षा ने राजीव रंजन मीणा, आईएएस, डीएम सिगरौली, वीरेंद्र कुमार सिंह का स्वागत किया। अन्य अधिकारियों में बीए झा, एके सिंह, डा. एसके खरे, चिकित्सा ने संगीतकारों का स्वागत किया।

नशेड़ियों ने लगाई आग आठ बीघे का पुआल राख

राजगढ़ (मीरजापुर) । स्थानीय गांव स्थित खलिहान में रखे गए पुआल में रविवार की देर रात नशेड़ियों ने आग लगा दी। इससे लगभग आठ बीघे का पुआल जल कर राख हो गया। दो घंटे प्रयास के बाद आग पर काबू पाया जा सका, लेकिन तब तक पुआल राख में तब्दील हो चुका था। गांव निवासी अवधनाथ मिश्रा का पुआल खलिहान में रखा था। रविवार की आधी रात में कुछ नशेड़ियों ने पुआल में आग लगा दी। इससे पुआल से आग की लपटे उठने लगी। लघुशंका के लिए घर से बाहर निकले गांव के ही एक व्यक्ति ने पुआल जलता देख किसान को सूचना दी। किसान के शोर मचाने पर कुछ लोग मौके पर पहुंच कर आग बुझाने का प्रयास करने लगे, परंतु आग विकराल रूप धारण कर चुकी थी। इसे किसी तरह बुझाया जा सका। पुआल जल जाने से पशुपालक के समक्ष मवेशियों के चारे की समस्या खड़ी हो गई।

ट्रेनों में नहीं जगह वेटिंग का ही सहारा

मीरजापुर । मुंबई, सूरत, हावड़ा, दिल्ली, बंगलूरू आदि स्टेशनों को जाने वाले यात्रियों को कंफर्म टिकट नहीं मिल रहा है। इन स्टेशनों को जाने वाली ट्रेनों में 31 मार्च तक टिकट फुल है। ऐसे में वेटिंग टिकट पर ही सफर करना पड़ेगा। हालांकि टिकट के लिए प्रतिदिन आरक्षित काउंटर पर भीड़ लग रही है, लेकिन उन्हें कंफर्म टिकट नहीं मिल रही है। वही कुछ ट्रेनों में तो वेटिंग का भी सहारा समाप्त हो गया है।होली व विधान सभा चुनाव के मद्देनजर विभिनन् प्रांतों को कमाने गए लोग अपने परिवार संग वापस अपने गृह गांव चले आए थे। चुनाव व त्योहार बीतने के बाद अब उन्हें अपने काम पर पुनः जाने की चिता सताने लगी तो स्टेशन के आरक्षण काउंटर पर भोर से ही लाइन न लगाने को पहुंच गए। लाइन में लग तो गए, लेकिन कांउटर तक पहुंचने पर उन्हें सिर्फ निराशा ही हाथ लग रही है। ऐसे में वे परेशान होकर दूसरे दिन भी लाइन लगाने को पहुंच जा रहे है। हालांकि होली त्योहार पर अधिकतर जरूरतमंद व्यक्ति तीन माह पूर्व ही अप और डाउन के लिए अपना टिकट बुक करा लिए थे। इसके चलते अब मार्च तक किसी भी ट्रेन में जगह नहीं मिल रही है, सिर्फ वेटिंग ही है। मुंबई की तरफ जाने वाली ट्रेन महानगरी एक्सप्रेस में 350, मुंबई-हावड़ा मेल में 150 के पार वेटिंग चल रही है। वही दिल्ली की तरफ जाने वाली पुरुषोत्तम व ब्रह्मपुत्र एक्सप्रेस ट्रेनों में तो वेटिंग के लिए भी टिकट नहीं मिल रही है। इन दोनों ट्रेन में तो वेटिंग भी 100 के पार होने के कारण फुल हो गई है। संघमित्रा में 150 के पार वेटिंग चल रही है। होली स्पेशल ट्रेनों का मीरजापुर स्टेशन पर ठहराव नहीं है। होली स्पेशल ट्रेनों का ठहराव होता तो दूर दराज जाने वाले यात्रियों को परेशानी नहीं होती। हालांकि प्रयागराज, छिवकी एवं पं. दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन पर ठहराव है। लोगों का कहना है कि मीरजापुर में होली स्पेशल ट्रेनों का ठहराव होता तो यात्रियों को काफी राहत मिलती। मुंबई, सूरत, हावड़ा, दिल्ली व बंगलुरू जाने वाली ट्रेनों में 31 मार्च के बाद से ही कंफर्म मिलने की संभावना है।

324153 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य

सोनभद्र । सघन पल्स पोलियो अभियान के तहत रविवार को रैली निकाली गई। जिलाधिकारी टीके शिबू ने सीएमओ कार्यालय परिसर से रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बच्चों को पोलियो की दो बूंद भी पिलाई। रैली नगर के विभिन्न मार्गो से होकर गुजरी। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग के कार्यकर्ता विभिन्न तरह के जागरूकता नारे लगा रहे थे। इसके बाद रैली सीएमओ कार्यालय में लौट कर गोष्ठी में तब्दील हो गई। डीएम ने कहा कि जनपद को पोलियो मुक्त रखने के लिए अभियान में किसी भी स्तर पर कोई लापरवाही न बरती जाए। सभी बच्चों को पोलियो बूथ पर दवा पिलाना है। जो बच्चे आज पोलियो की खुराक पीने से छूट जायेंगे उन्हें अगले पांच दिनों तक घर-घर जाकर की खुराक दी जायेगी। लापरवाही बरतने वालों को दंडित किया जाएगा। हमें जनपद के बच्चों को पोलियो की खुराक से आच्छादित करना है। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा. गिरधारी लाल बताया कि जनपद में कुल 324153 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य है। इसके लिए 1092 बूथ तथा 77 ट्रांजिट मोबाइल टीम बनाई गई है। बूथ दिवस के दिन सुबह नौ बजे से शाम चार बजे तक बच्चों को पोलियो की खुराक देने का कार्य किया जायेगा। कुल घरों की संख्या 365070 है जो बच्चे आज पोलियो की खुराक पीने से छूट जाएंगे उन्हें अगले पांच दिनों तक घर-घर जाकर पोलियो की खुराक दी जायेगी। लक्ष्य है कि गत चरणों की अधिक से अधिक बच्चों को पोलियो बूथ पर ही खुराक पिला दी जाय। इस कार्य में बाल विकास शिक्षा विभाग का पूरा सहयोग मांगा गया है। इस मौके पर अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डा. आरजी यादव, डा. प्रेमनाथ, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा. गिरधारी लाल, उप मुख्य चिकित्साधिकारी डा. एसके चतुर्वेदी, डा. सूबेदार प्रसाद, डा. हेमंत अधिकारी , यूनिसेफ के संदीप श्रीवास्तव, संजय कुमार सिंह, मो. नसीम आदि मौजूद रहे।

चार गांवों को जोड़ने वाली सड़क गड्ढे में तब्दील

बीजपुर (सोनभद्र) । रेणुकूट बीजपुर मुख्य मार्ग से कुछ दूर ग्राम पंचायतों को जोड़ने वाली सड़क पूरी तरह ध्वस्त होने के कारण राहगीरों को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। इस मार्ग पर आए दिन गिरकर लोग चोटिल हो रहे हैं। दो दशक से सड़कों की मरम्मत न होने के कारण नागरिकों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। पिडारी, महरीकला, झीलों, खम्हरिया को जोड़ने वाली सेवकामोड़ से पिडारी, बंका मोड़, ठुनठुनिया संपर्क मार्ग पूरी तरह गड्ढे में तब्दील हो चुका है। चार गांवों के करीब 30 हजार की आबादी वाले दर्जनभर टोलों से सैकड़ों लोगों का आवागमन इसी सड़क से प्रतिदिन होता है। इतना ही नहीं प्रदेश की महत्वाकांक्षी परियोजना नमामि गंगे का कार्य भी इसी सड़क से होकर खम्हरिया में कराया जा रहा है। चार गांवों को जोड़ने के लिए लगभग 25 किमी तक 20 साल पहले बनी सड़क ध्वस्त हो चुकी है। इसका निर्माण आरईएस और पीडब्लूयूडी विभाग से कराया गया था। सड़क पूरी तरह टूटकर बड़े बड़े गड्ढे में तब्दील हो चुकी है। सोलिग युक्त सड़क से गुजरने वाले दुपहिया वाहन चालक, शिक्षक, स्कूल के बच्चे आएदिन गिर कर चोटिल हो रहे हैं तो कुछ हादसे में जीवन भर के लिए अपंग हो चुके हैं। पिडारी ग्राम प्रधान रामसजीवन, पूर्व प्रधान धीरेंद्र जायसवाल, दीनानाथ जायसवाल, जगदीश, रामाशीष, दयाशंकर, खम्हरिया प्रधान इजाजत शेख, पूर्व प्रधान शंकर दयाल विश्वकर्मा, झीलों ग्राम प्रधान सतेंद्र सिंह, सियाराम, जगदीश, महरिकला प्रधान सतरूपा सिंह, जवाहिर, राजेंद्र ने कहा कि सड़क खराब होने से गांव में जरूरत पड़ने पर इमरजेंसी सेवा एंबुलेंस अथवा डायल 112 को आने में घंटों समय लग जाता है। लोगों ने जनहित में जिलाधिकारी का ध्यान आकृष्ट कराकर चारो गांवों को जोड़ने वाली सड़क का तत्काल मरम्मत कराने की मांग की है।

13वीं इकाई के सिक्रोनाइज की प्रक्रिया लटकी

ओबरा (सोनभद्र) । प्रदेश की सबसे पुरानी 200 मेगावाट वाली इकाइयों में एक ओबरा तापीय परियोजना की 13वीं इकाई का जीर्णोद्धार घाटे का सबब बन सकता है। वर्ष 2025 में 25 वर्ष से पुरानी इकाइयों को बंद करने की संभावना के कारण 13वीं इकाई में हो रहे खर्च की वापसी फिलहाल 2025 तक होते नहीं दिखाई पड़ रही है। 200 मेगावाट वाली पांच इकाइयों के जीर्णोद्धार वाली इस योजना ने भेल (बीएचईएल) की कार्यप्रणाली व साख पर सवाल खड़ा कर दिया है। पिछले एक वर्ष से 13वीं इकाई को सिक्रोनाइज करने की प्रक्रिया लगातार लटकते जा रही है। बीते दिसंबर माह में ही इस इकाई को 40 मेगावाट तक लोड पर लाया गया था लेकिन इस दौरान टरबाइन में पैदा हुई दिक्कत सहित कंपन की शिकायत ने स्थिति चिताजनक कर दी है। पहले से ही देरी से चल रहे इस इकाई के अनुरक्षण और मरम्मत (आरएंडएम) में और देरी लगने की संभावना साफ हो गई है। इस इकाई को मार्च 2018 में आरएंडएम के लिए बीएचईएल को सौंपा गया था। इस इकाई के आरएंडएम पूरा होने की तिथि जून 2019 रखी गई थी। फिलहाल इस इकाई के 15 अप्रैल 2022 तक चालू होने की संभावना नहीं दिख रही है। इस इकाई के चालू होने से प्रदेश को सस्ते दरों पर प्रतिवर्ष 1480 मिलियन यूनिट से ज्यादा बिजली मिलेगी। इस इकाई के चालू होने से उत्पादन निगम को प्रति वर्ष लगभग 138 करोड़ की आए होती। ढाई वर्ष की हो चुकी देरी अक्तूबर 2018 को ओबरा ब तापघर में हुए अग्निकांड के बाद 13वीं इकाई के आरएंडएम पूरा होने की तिथि जून 2019 से बढ़ाकर मई 2020 करनी पड़ी थी। नवंबर एवं अप्रैल 2021 में भी सिक्रोनाइज करने का लक्ष्य रखा गया था। उसके बाद पुनः सितंबर, नवंबर सहित दिसंबर 2021 तक लक्ष्य बढ़ाया जा चुका है। फिलहाल मई 2022 में इकाई के सिक्रोनाइज होने की संभावना है। इस इकाई के बंद होने से सभी कामन आक्जलरी के खर्च के साथ-साथ हास्पीटल, स्कूल, सीआईएसएफ, कालोनी मरम्मत इत्यादि से संबंधित समस्त खर्च का भार उपलब्ध शेष चार इकाइयों पर आ रहा है।

भाकियू ने किया प्रदर्शन, सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप

चुनार (मीरजापुर) । भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारियों ने सोमवार को तहसील मुख्यालय पर प्रदर्शन किया। केंद्र सरकार पर वादा खिलाफी का आरोप लगाते हुए कहा कि आज तक किसानों द्वारा दिल्ली बार्डर से धरना प्रदर्शन खत्म करने के बाद भी सरकार ने अपने वादे पूरे नहीं किए। प्रदेश सचिव प्रहलाद सिंह व जिलाध्यक्ष कंचन सिंह फौजी समेत अन्य पदाधिकारियों को संबोधित छह सूत्रीय मांग पत्र एसडीएम नीरज प्रसाद पटेल को सौंपा। किसानों ने चेतावनी दी कि जल्द ही केंद्र सरकार मांगों को पूरा न नहीं करती है, तो किसान आंदोलन तेज करने को बाध्य होंगे। किसान नेताओं ने कहा कि जबसे संयुक्त किसान मोर्चा सरकार के आश्वासन पर भरोसा कर दिल्ली बार्डर से अपने मोर्चे को उठाने का ऐलान किया, तब से सरकार किसानों के जख्मों पर नमक छिड़कने का काम भी कर रही है। किसानों ने मांग की कि एमएसपी सुनिश्चित करने के लिए एक समिति का गठन करने के साथ ही कमेटी के स्वरूप और उसके मैंडेट के बारे में बताएं। साथ ही आंदोलन के दौरान किसानों पर दर्ज मुकदमे तत्काल प्रभाव से वापस लिए जाने की मांग की। वक्ताओं ने लखीमपुर खीरी घटना का जिक्र करते हुए घटना के प्रमुख षड्यंत्रकारी के केंद्रीय मंत्रिमंडल में बने रहने पर सवाल उठाया। दूसरी तरफ उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा घटना में नामजद किसानों को केसों में फंसाकर गिरफ्तार करने की निदा की। किसानों ने राष्ट्रपति से अनुरोध किया कि केंद्र सरकार को उसके लिखित वादों की याद दिलाएं और उन्हें पूरा करवाएं। चेतावनी दी कि सरकार किसान के धैर्य की परीक्षा लेना बंद करें। साथ ही संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले 11 से 17 अप्रैल के बीच एमएसपी की कानूनी गारंटी सप्ताह आयोजित करने का फैसला लिया। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष अनिल सिंह, अवधेश नारायण सिंह, वीरेंद्र सिंह, रामचरण सिंह, अवधेश सिंह, छन्नू सिंह आदि थे।

नक्सल प्रभावित इलाकों को एएसपी संग पुलिस ने खंगाला

अहरौरा (मीरजापुर) । नक्सली गतिविधियों पर अंकुश लगाने को लेकर रविवार को एएसपी महेश सिंह अत्री के नेतृत्व में पुलिस व पीएसी के जवानों ने नक्सल प्रभावित इलाकों में कांबिग की। इस दौरान ग्रामीणों की समस्याओं को सुना और समाधान कराने का आश्वासन दिया। एएसपी ने ग्रामीणों से कहा कि अगर गांव में संदिग्ध दिखाई दे तो तत्काल उसकी सूचना पुलिस को दें। नक्सल मूवमेंट को लेकर शासन द्वारा जंगलों में कांबिग के कड़े निर्देश जारी किए गए हैं। नक्सल प्रभावित बार्डर इलाकों में सघन कांबिग की। एएसपी ने नक्सल प्रभावित सोनभद्र की सीमा से सटे गांवों को भी खंगाला। इस दौरान ग्रामीणों की समस्याओं को सुनकर उनके निस्तारण का भी आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि मुख्यधारा से ग्रामीणों को भटकने नहीं दिया जाएगा। ग्रामीण को कोई समस्या हो तो तत्काल वह पुलिस को सूचित करें, ग्रामीणों की पूरी सुरक्षा की जिम्मेवारी पुलिस की है। उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि नक्सल गतिविधियां पनपने नहीं पाए, इसके लिए शासन ने नक्सल प्रभावित इलाकों को गंभीरता से लिया है।

रविवार को एएसपी के नेतृत्व में थानाध्यक्ष संजय सिंह पुलिस व पीएसी के जवानों ने क्षेत्र के हिनौता, लतीफपुर, खोराडीह, सारादह, छातों, सहित अन्य

दो लाख 14 हजार बच्चों को पिलाई पोलियो रोधी खुराक

मीरजापुर । पल्स पोलिया अभियान के पहले दिन रविवार को जिलेभर में दो लाख 14 हजार 777 बच्चों को पोलियो की दो बूंद खुराक पिलाई गई। शेष बच्चों को पोलियो रोधी खुराक पिलाने के लिए टीम घर-घर जाएगी। अभियान की शुरुआत नगर पालिका अध्यक्ष मनोज जासयवाल ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में एक बच्चे को दवा पिलाकर की। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा. नीलेश श्रीवास्तव ने बताया कि शून्य से पांच वर्ष तक के कुल 365890 बच्चों को पोलियो ड्राप पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए कुल 1862 पोलियों बूथ बनाए गए हैं। अभियान में पांच लाख घरों पर निर्धारित छह दिनों तक पोलियों टीम घर-.घर संपर्क करके छूटे हुए बच्चों को पोलियो ड्राप पिलाने का कार्य करेगी। इसके लिए कुल 65 ट्राजिट व मोबाइल टीम का गठन किया गया है। स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा रोडवेज, रेलवे स्टेशन, ईंट भठ्ठों टैंपों स्टैंड व मुख्य चैराहों पर पोलियो का खुराक पिलाने का कार्य किया जाएगा। इसके लिए कुल 7772 स्वास्थ्य कर्मी और 257 पर्यवेक्षक लगाए गए है। अभियान की निगरानी के लिए पर्यवेक्षकों की तैनाती की गई है। अपर शोध अधिकारी आरकेराय ने बताया कि पोलियो अभियान को सफल बनाने के लिए विभाग की ओर से आठ अपर मुख्य चिकित्साधिकारियों व नौ प्रभारी चिकित्साधिकारियों को जिम्मेदारी सौंप दी गई है। जो अपने-अपने स्तर पर लगातार टीम की निगरानी व उनकी मदद करने का काम करेंगे। पोलियो ड्राप सभी 15 सामुदायिक केंद्रों व 45 पीएचसी पर पर्याप्त मात्रा में व्यवस्था कर दी गई है। जहां पर स्वास्थ्य कर्मियों की टीम के अलावा पहुंचने वाले बच्चों को पोलियों ड्राप पिलाने के लिए एक सीनियर स्टाफ की भी तैनाती की गई है। इसके अलावा मंडलीय जिला चिकित्सालय व जिला महिला चिकित्सालय पर भी पोलियो ड्राप पिलाने का कार्य होगा। सीएमओ ने अभियान को शत-प्रतिशत सफल बनाने के लिए अभिभावकों से अपील किया हैं कि शून्य से पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियों की खुराक पिलाकर राष्ट्रीय कार्यक्रम में भागीदार बनाए जिससे जनपद में एक भी बच्चा इस अभियान का लाभ लेने में वंचित न होने पाए।

पाकिस्तान वआस्ट्रेलिया के कप्तानों को तीसरे टेस्ट मैच में भी धीमी पिच की उम्मीद

लाहौर। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने कहा कि सोमवार से जब घरेलू टीम निर्णायक तीसरे और अंतिम टेस्ट के लिए आस्ट्रेलिया के सामने होगी तो धीमे विकेट पर उनके बल्लेबाजों के संयम

और कौशल की परीक्षा होगी। अभी सीरीज 0-0 से बराबर है। बाबर ने कराची में मैच ड्रा कराने के लिए चौथी पारी में 196 रन की मैराथन पारी खेली थी। आस्ट्रेलियाई स्पिनर नाथन लियोन और पदार्पण करने वाले लेग स्पिनर मिशेल स्वेपसन ने कराची में चौथी पारी के 172 ओवर में से 108 ओवर डाले थे, लेकिन पाकिस्तान ने पांच सत्र में खेलते हुए सात विकेट पर 443 रन बनाए थे जिससे वह 506 रन के विशाल लक्ष्य से 63 रन से पीछे रह गया था। रावलपिंडी में ड्रा हुए टेस्ट की निर्जीव पिच पर आस्ट्रेलिया ने केवल चार विकेट झटके थे, जबकि मैच में कुल 14 विकेट गिरे थे। पिंडी क्रिकेट स्टेडियम की पिच को आइसीसी ने औसत से नीचे आंका था और इसे एक डिमेरिट अंक भी दिया था। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने रावलपिंडी विकेट की आलोचना के बाद आइसीसी अकादमी क्यूरेटर टाबी लुम्सडेन को बुलाया और उनकी मदद से लाहौर टेस्ट विकेट तैयार किया। बाबर ने कहा, 'यह ज्यादा अलग नहीं है, यह वैसी ही समान पिच लगती है लेकिन मुझे लगता है कि यह निश्चित रूप से टर्न लेगी। इसमें छोटी दरारें हैं जिससे स्पिनरों को मदद मिल सकती है, लेकिन आप शत-प्रतिशत नहीं बता सकते क्योंकि बहुत गर्मी है। जो कुछ भी हो, हमारे स्पिनर इसके लिए तैयार हैं। आस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने कहा, 'यह विकेट समान ही दिखता है। मुझे यह दूसरी पिचों से ज्यादा अलग नहीं दिखती, इसलिए हमें लगता है कि हमारी टीम में सही संयोजन है विचार कर रहा है जबकि आस्ट्रेलिया ने अपनी टीम में कोई बदलाव नहीं किया है जिसका मतलब है कि स्वेपसन को धीमे विकेट पर अनुभवी आफ स्पिनर लियोन के साथ अपने लेग स्पिन कौशल को दिखाने का मौका मिलेगा।

कोहली और बाबर आजम की तुलना पर आस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने दी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली। आस्ट्रेलिया के कप्तान और तेज गेंदबाज पैट कमिंस ने पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम और भारत के पूर्व कप्तान विराट

कोहली को एक कंप्लीट बल्लेबाज बताया है। बाबर आजम ने दूसरे टेस्ट में 196 रनों की शानदार पारी खेलकर मैच बचाया था। उन्होंने 400 से अधिक गेंदें खेली थी। बाबर कप्तान के रूप में चौथी इनिंग में सर्वाधिक स्कोर करने वाले भी खिलाड़ी बने थे जबकि विराट कोहली ने हाल ही में अपना 100वां टेस्ट मैच खेला है। कमिंस से जब दोनों की तुलना के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि 'चाहे कोई भी फार्मेट हो वे दोनों कंम्पलीट बल्लेबाज हैं। वे अपनी चुनौतियां पेश करते हैं। वे दोनों हाई क्वालिटी के खिलाड़ी हैं और दोनों ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ शतक लगाया है' वर्तमान में शीर्ष बल्लेबाजों के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा कि कोहली, न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियम्सन, इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान जो रूट, बाबर आजम सब में एक समानता है। वे आसानी से घबराते नहीं हैं। उन्होंने कहा सभी अपना गेम अच्छे से जानते हैं और कभी भी घबराते नहीं हैं और टिक कर बल्लेबाजी करना पसंद करते हैं। जैसे ही उनको मौका मिलता है वो तेजी से बाहर आते हैं और रन बनाने को मौका नहीं छोड़ते। जब तक आप पहली ही गेंद से लय में नहीं होते आपको लगता है कि वो पहले से ही सेट होकर आए हैं आइपीएल में इस बार फिर कोलकाता की तरफ से श्रेयस अय्यर की कप्तानी में खेलते नजर आएंगे पैट कमिंस। उन्हें केकेआर ने मेगा आक्शन में 7.25 करोड़ में खरीदा है। उन्होंने केकेआर के नए कप्तान अय्यर के बारे में कहा कि जब वो दिल्ली से खेले थे तो उनके साथ ड्रेसिंग रुम साझा किया था। वे बहुत शांत हैं। मैं टीम से जुड़ने के लिए उत्साहित हूं। कोलकाता अपने आइपीएल की शुरुआत चेनन्ई सुपर किंग्स के साथ 26 मार्च को करेगी जो आइपीएल 15 का ओपनिंग गेम होगा।

गुजरात टाइटंस के लिए हार्दिक पांड्या या राशिद खान नहीं यह खिलाड़ी हो सकता है एक्स फैक्टर शुभमन गिल ने बताया नाम

नई दिल्ली। आइपीएल 2022 में दो नई टीमों की एंट्री हुई है जिसमें एक गुजरात टाइटंस है। इस टीम की कप्तानी भारतीय आलराउंडर हार्दिक पांड्या को सौंपी गई है और उनकी कप्तानी में ये टीम खिताब जीतने के लिए अपनी दावेदारी पेश करने वाली है। गुजरात टाइटंस में राशिद खान भी हैं जो दुनिया के बेहतरीन स्पिनर में शुमार किए

जाते हैं, लेकिन इस टीम के बल्लेबाज शुभमन गिल का मानना है कि हार्दिक पांड्या या फिर राशिद खान आइपीएल 2022 में गुजरात के लिए एक्स फैक्टर साबित नहीं होंगे। शुभमन गिल को इस सीजन के लिए गुजरात ने अपने साथ 7 करोड़ रुपये में जोड़ा था तो वहीं हार्दिक पांड्या और राशिद खान को 15-15 करोड़ में नीलामी से पहले ही ड्राफ्ट किया था। शुभमन गिल इससे पहले केकेआर का हिस्सा थे और इस टीम के लिए ओपनिंग करते थे। गिल का मानना है कि हार्दिक पांड्या या फिर राशिद खान नहीं बल्कि लाकी फर्ग्यूसन गुजरात के लिए एक्स फैक्टर साबित हो सकते हैं। लाकी गुजरात द्वारा खरीदे जाने से पहले केकेआर का हिस्सा पिछले दो साल तक रहे थे और गिल उन्हें अच्छे से जानते हैं। लाकी ने केकेआर के लिए पिछले दो सीजन में अच्छा खेल दिखाया था। गिल का मानना है कि वो केकेआर के लिए बड़े खिलाड़ी थे और वो वैसा ही प्रदर्शन अब गुजरात के लिए भी करेंगे। शुभमन गिल ने कप्तान हार्दिक पांड्या के बारे में कहा कि वो अपने कप्तान को टीम के साथी खिलाड़ी के तौर पर पूरा समर्थन करेंगे। आपको बता दें कि हार्दिक पांड्या ने अपनी फिटनेस पूरी तरह से हासिल कर ली है और वो गुजरात के लिए मैदान पर पुराने अंदाज में नजर आ सकते हैं।आइपीएल 2022 की शुरुआत 26 मार्च से कोलकाता और चेन्नई के मुकाबले से होगी तो वहीं गुजरात की टीम दो दिन बाद यानी 28 मार्च को अपना पहला मुकाबला खेलेगी। 28 मार्च को गुजरात टाइटंस और लखनऊ सुपर जायटंस के बीच मुकाबला होगा। लखनऊ सुपर जाइट्स भी इस सीजन की दूसरी नई टीम है।

कोच बोले, उनकी टीम का ये भारतीय है बेहद विस्फोटक मैच विनर, टी20 का बेहतरीन खिलाड़ी

नई दिल्ली। आनलाइन डेस्क। इंडियन प्रीमियर लीग की फ्रेंचाइजी टीम राजस्थान रायल्स के कप्तान संजू सैमसन के सामने नए सीजन में नई चुनौती होगी। टीम के मुख्य

कोच श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगकारा ने कप्तान की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा, भले संजू नए कप्तान हो और अभी सीख रहे हों लेकिन वह एक उम्दा टी20 खिलाड़ी हैं। राजस्थान रायल्स के मुख्य कोच श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगकारा ने संजू सैमसन की जमकर तारीफ की। उनका कहना था कि वह आइपीएल फ्रेंचाइजी टीम के कप्तान होने और टीम के भविष्य ही नहीं बल्कि टी20 क्रिकेट के बेहद ही शानदार खिलाड़ी हैं। संगकारा ने कहा, ठटीम के कप्तान होने या राजस्थान रायल्स के भविष्य होने के साथ ही वो एक बहुत ही शानदार टी20 के खिलाड़ी हैं। वह एक बहुत ही कमाल के खिलाड़ी हैं, वह विध्वंशक (तेज बड़े शाट द्वारा ताबड़तोड़ पारी), मैच विनर बल्लेबाज हैं। उनके अंदर वो काबिलियत है जो आप किसी भी बल्लेबाज के अंदर देखना चाहते हैं। वह पहले से ही टीम के कप्तान थे जब मैंने पिछले सीजन टीम की जिम्मेदारी ली। मैं उनको बेहद अच्छे से जा पाया और उनकी बहुत ही ज्यादा प्रसंशा करता हूं। उनके अंदर राजस्थान रायल्स की टीम को लेकर गजब की चाहत है। उन्होंने इसी टीम के साथ शुरुआत की थी और वह टीम की बहुत सम्मान करते हैं। वह एक ऐसे कप्तान हैं जो इस बात को स्वीकार करता है कि उनको सबकुछ नहीं पता है लेकिन फिर वह टीम के साथ रहकर बेहतर करते हुए आगे बढ़ना चाहता है। उनके अंदर प्राकृतिक रूप से किसी कप्तान के गुण नहीं हैं लेकिन वह हर दिन सीखते जा रहे हैं और दिन ब दिन और बेहतर होते जाएंगे।

आइपीएल में सबसे ज्यादा छक्के जमाने में टाप पर ये विदेशी धुरंधर

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के नए सीजन की शुरुआत होने जा रही है। टूर्नामेंट में एक से बढ़कर एक बल्लेबाज मौजूद हैं जो बड़े बड़े शाट्स लगाने में माहिर हैं। टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा छक्के जमाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट पर जब हमने नजर डाली तो दो भारतीय

यहां मौजूद हैं। इन दोनों ही आइपीएल के सफल कप्तानों में शामिल हैं। मुंबई इंडियंस के धुरंधर कीरोन पोलार्ड छक्के जमाने वालों की लिस्ट में पांचवें स्थान पर हैं। 178 मुकाबलों में खेलने वाले इस आलराउंडर ने कुल 214 छक्के जमाए हैं। चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धौनी ने 220 आइपीएल मैच खेलने के बाद कुल 219 छक्के जमाए हैं। टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा छक्के जमाने वालों की लिस्ट में वो चौथे नंबर पर आते हैं। चेनन्ई की टीम के अलावा धौनी पुणे सुपरजाएंट्स की तरफ से भी खेल चुके हैं। शानदार कप्तानी के दम पर आइपीएल में भले ही मुंबई की कप्तानी करने वाले रोहित शर्मा सबसे ज्यादा ट्राफी जीती है लेकिन छक्के लगाने के मामले मे तीसरे नंबर पर हैं। इस धुरंधर ने 213 मैच खेलकर 227 छक्के उड़ाए हैं। वैसे आपको बता दें कि मुंबई इंडियंस में शामिल होने से पहले रोहित डेक्कन चार्जर्स (अब टूर्नामेंट का हिस्सा नहीं) की तरफ से भी खेल चुके हैं। दूसरे नंबर पर नाम आता है मिस्टर 360 यानी एबी डिविलियर्स का। आइपीएल के नए सीजन की शुरुआत से पहले सभी तरह की क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा करने वाले इस महान बल्लेबाज ने कुल 251 छक्के जमाए हैं। दिल्ली और बैंगलोर की फ्रेंचाइजी की तरफ से खेलते हुए 184 में एबी ने खेला और जमकर छक्के लगाए। क्रिस गेल ने इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा छक्के लगाए हैं। अब तक आइपीएल में कई टीमों की तरफ से खेल चुके गेल के नाम 350 से ज्यादा छक्के हैं। किंग्स इलेवन पंजाब, पंजाब किंग्स, कोलकाता नाइट राइडर्स और रायल चैलेंजर्स बैंगलोर की टीम का गेल हिस्सा रह चुके हैं। 142 आइपीएल मुकाबलों में उनके नाम कुल 357 छक्के दर्ज हैं।

क्रिकेट के मैदान के बाद अब राजनीति की पिच पर गुगली फेकेंगे टर्बनेटर हरभजन सिंह

नई दिल्ली। भारतीय खेल इतिहास में कई ऐसे प्लेयर्स रहे हैं या फिर हैं जो खेल के मैदान पर अपना जलवा दिखाने के बाद राजनीति की पिच पर अपनी पारी खेलने आए। इनमें से कई बेहद सफल रहे तो कभी ज्यादा सफल नहीं हो पाए। अब टीम इंडिया के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह भी कुछ ऐसा ही करते नजर आएंगे। दरअसल हरभजन सिंह को आम आदमी पार्टी ने पंजाब से अपना राज्यसभा उम्मीदवार बनाया है। इस पार्टी ने हाल ही में पंजाब में बंपर जीत दर्ज की थी और पंजाब में राज्यसभा की पांच सीटें 9 अप्रैल का खाली हो रही है। इसके लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख 31 मार्च है और हरभजन सिंह ने भी आप उम्मीदवार के तौर पर अपना नामांकन दाखिल किया। आम आदमी की तरफ से हरभजन सिंह समेत पांच उम्मीदवारों को राज्यसभा सांसद बनाया जाएगा। हरभजन सिंह के उम्मीदवार बनाए जाने को लेकर आम आदमी पार्टी की तरफ से ट्वीट भी किया गया जिसमें लिखा गया कि अपनी गेंदबाजी के दम पर भारतीय टीम को गौरवान्वित करने वाले हरभजन सिंह (मिस्टर टर्बनेटर) अब संसद में पंजाब के लोगों की आवाज उठाएंगे। हरभजन सिंह से पहले कई क्रिकेटर्स ने राजनीति में कदम रखा था जिसमें उनके साथ 2011 वनडे वर्ल्ड कप जीतने वाले गौतम गंभीर अभी सांसद हैं तो वहीं सचिन तेंदुलकर भी राज्यसभा के सदस्य रह चुके हैं। इनके अलावा मो. अजरुद्दीन, मो. कैफ, कीर्ति आजाद, नवजोत सिंह सिद्धू, विनोद कांबली तो वहीं महिला मुक्केबाज मैरी काम जैसे तमाम खिलाड़ी हैं जो राजनीति में उतर चुके हैं। आपको बता दें कि हरभजन सिंह का क्रिकेट करियर काफी शानदार रहा था और उन्होंने 103 टेस्ट मैचों में 417 विकेट लिए थे।

आइपीएल में खेलने से आर अश्विन को किस तरह से होता है फायदा खुद किया उसका खुलासा

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम से स्पिनर आर अश्विन अब टेस्ट क्रिकेट में भारत की तरफ से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज हैं तो वहीं सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने के

मामले में वो अब वर्ल्ड में आठवें स्थान पर पहुंच गए हैं। अपनी उपलब्धियों के बारे में आर अश्विन का कहना है कि वो कभी भी आंकड़ों के पीछे नहीं भागते हैं और निजी उपलब्धियों को अपनी जर्नी का हिस्सा मानते हैं अंतिम टारगेट नहीं। अश्विन ने श्रीलंका के खिलाफ हाल ही में खेले गए टेस्ट सीरीज में 15.08 की औसत से 12 विकेट लिए। इस बीच उन्होंने कपिल देव के 434 विकेट के आंकड़े को पीछे छोड़ा और उनके नाम पर अब टेस्ट में 442 विकेट दर्ज हैं। अश्विन ने एक विज्ञप्ति में कहा कि आंकड़े देखने में अच्छे लगते हैं और देखकर अच्छा लगता है कि आंकड़ों के मामले में मैंने क्या हासिल किया है। मैं जितना अधिक खेला, उतना मुझे लगा कि आंकड़े अंतिम लक्ष्य नहीं बल्कि आपकी यात्रा का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि पिछले दो तीन वर्षों में मुझे बहुत अच्छा लग रहा है।आस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज में जीत, टी20 टीम में वापसी, यह वैसा ही अहसास था जब मैंने पहली बार टीम में जगह बनायी थी। 35 वर्षीय ये स्पिनर आगामी आइपीएल में राजस्थान रायल्स की तरफ से खेलेगा जो इस लीग में उनकी पांचवीं फ्रेंचाइजी है। उन्होंने कहा कि इस टी20 टूर्नामेंट ने शुरू से उन्हें बेहतर क्रिकेटर बनने में मदद की। आर अश्विन ने कहा कि आइपीएल एक मुश्किल टूर्नामेंट है। प्रत्येक सत्र में कई कारक होते हैं जिनका प्रभाव पड़ सकता है। आप इन्हें ओस, पिच, विरोधी टीम कुछ भी नाम दे सकते हैं जो अलग अलग तरह से प्रभाव डालते हैं। इससे इसके लिये तैयारी करना चुनौती होता है। आपको हर समय चुनौतियों के लिये तैयार रहना होगा। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत तौर पर हालांकि आइपीएल में खेलना मेरे लिये हमेशा रोमांचक रहा है। आइपीएल आपको प्रयोग करने का मौका देता है जिससे मुझे बेहतर क्रिकेटर बनने में मदद मिलती है।

दिल्ली कैपिटल्स है कमजोर और शायद ही प्लेआफ में जगह बना पाए

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग में पिछले कुछ साल में दिल्ली कैपिटल्स का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा था और ये टीम 2020 में उप-विजेता रही थी। 2021 में टीम ने प्लेआफ में जगह बनाई थी, लेकिन फाइनल में जगह बनाने से ये टीम चूक गई थी। अब सीजन 2022 में दिल्ली की टीम के काफी खिलाड़ी बदल चुके हैं और चार रिटेन किए गए खिलाडियों के अलावा पूरी की पूरी टीम लगभग नई नजर आ रही है। अब सीजन में दिल्ली की टीम के प्रदर्शन के बारे में पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने अपनी राय रखी और उनके मुताबिक रिषभ पंत की कप्तान वाली दिल्ली की टीम के लिए आइपीएल का 15वां सीजन खराब साबित हो सकता है। आकाश चोपड़ा ने साफ तौर पर कहा कि अगर रिषभ पंत की कप्तानी वाली दिल्ली की टीम इस सीजन में प्लेआफ तक नहीं पहुंच पाती है तो उन्हें आश्चर्य नहीं होगा।

राशिफल

मेष-:आप किसके साथ आर्थिक लेन-देन कर रहे हैं, इस बात से सावधान रहें। दोस्तों और परिवार के सदस्यों के साथ शाम के कार्यक्रम में शामिल हों।

वृष-:आज का दिन यात्रा में व्यतीत होगा. आपकी यात्रा ऑफिस के काम से जुड़ी हो सकती है। यात्रा के दौरान किसी दूर के रिश्तेदार से मुलाकात होगी।

मिथुन-:आज आपके विरोधी भी दोस्ती का हाथ बढ़ाएंगे. आज किसी पड़ोसी का व्यवहार आपको आहत कर सकता है। आप उसकी बातों को नजरअंदाज करने की कोशिश करते हैं।

कर्क-:लंबी अवधि के मुनाफे की दृष्टि से शेयरों और म्यूचुअल फंड में निवेश फायदेमंद रहेगा। अपने फैसले बच्चों पर थोपना उन्हें गुस्सा दिला सकता है।

सिंह-:आज आपका दिन व्यस्तताओं से भरा कारोबारी मामलों में आप कुछ खास बदलाव कर सकते हैं, लेकिन बदलाव करने से पहले आपको किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह जरूर लेनी चाहिए।

कन्या-:आज आपको व्यापार में अच्छा लाभ मिलने की संभावना है। आप इस समय का सदुपयोग अपने व्यापार को बढ़ाने में कर सकते हैं। प्रतियोगिता में बेहतर बने रहें।

तुला-:कुछ ऐसी घटनाएँ आपकी परेशानी का कारण बन सकती हैं, जिनसे बचना संभव नहीं है. लेकिन आप शांत रहें और स्थिति से निपटने के लिए तुरंत कोई प्रतिक्रिया न दें।

वृश्चिक-:आज आपके मन में नए विचार आएंगे. आने वाले कुछ दिनों में कोई बड़ा काम प्लान हो सकता है। साथ ही किसी खास काम के लिए सोचने और समझने में ज्यादा समय नहीं लगेगा।

धनु-:आज का दिन आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। परिवार के सदस्यों का सहयोग आपको मिल सकता है। काम की सफलता और नए काम की शुरुआत के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा।

मकर-:गलतफहमियों के कारण आपके और आपके प्रिय के बीच कुछ अनबन हो सकती है. आपको याद रखना चाहिए कि प्यार के लिए भी गंभीरता की आवश्यकता होती है

कुंभ-:आज का दिन आपके लिए काफी महत्वपूर्ण रहने वाला है. इस राशि के लोग आज किसी बड़ी योजना की शुरुआत कर सकते हैं। जिसका लाभ उन्हें बाद में अवश्य मिलेगा।

मीन-:आज आप नौकरी में बहुत मेहनत करने वाले हैं. आप अपने काम को बेहतर बनाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। आज आप कोई भी पहल करें या कोई नया कदम उठाए

सम्पादकीय

चक्रवात 'असानी' को लेकर हाई अलर्ट, भारी बारिश और तेज हवाओं का खतरा अंडमान और निकोबार में स्कूल-कॉलेज बंद

बंगाल की खाड़ी में पिछले कुछ दिन से बना निमन दबाव का क्षेत्र आज प्रबल होने की संभावना है और चक्रवाती तूफान असनी के आने की पूरी संभावना है। जान-माल की हानि को देखते हुए सेना तक को अलर्ट पर रखा गया है। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह से मछुआरे को समुद्र में जाने से मना कर दिया गया है। निचले इलाकों से अंडमान प्रशासन ने स्थानीय लोगों को खाली कराना शुरू कर दिया है। अंडमान में भारी बारिश संभावना है। सेना के जवानों को अलर्ट पर रखा गया है। इसे देखते हुए अंडमान और निकोबार प्रशासन ने 21 मार्च यानी आज से एहतियात के तौर पर केंद्र शासित प्रदेश के सभी स्कूलों और कॉलेजों को बंद कर दिया है। द्वीपों के कुछ हिस्सों में दोपहर से ही भारी बारिश शुरू हो गई है। भारतीय मौसम विभाग के निदेश मृत्युंजय महापात्रा ने कहा है कि यह निमन दबाव का क्षेत्र दक्षिण बंगाल से अडमान और निकोबार द्वीप समूह में पहुंच चुका है। यह अंडमान निकोबार से होते हुए म्यांमार और बांग्लादेश की ओर मुड़ जाएगा। मौसम विभाग के मुताबिक पहले तेज हवाओं के साथ आंधी आएगी और यह प्रबल होकर चक्रवातीय तूफान में बदल जाएगा। वहीं भारत मौसम विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक आरके जेनामणि ने कहा कि अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में सोमवार को तेज हवाओं के साथ भारी बारिश की संभावना है क्योंकि बंगाल की खाड़ी के ऊपर दबाव उत्तर की ओर आ रहा है। जेनामणि ने कहा कि अभी तक यह एक डिप्रेशन है जो सोमवार सुबह तक एक डीप डिप्रेशन में बदल जाएगा और सोमवार शाम तक यह एक चक्रवाती तूफान में और तेज हो जाएगा। अगर यह एक चक्रवाती तूफान में उभरता है तो इसे साइक्लोन आसनी के नाम से जाना जाएगा। आईएमडी के वैज्ञानिकों ने समाचार एजेंसी एएनआई को बताया कि शनिवार शाम तक दक्षिणपूर्व और दक्षिण अंडमान समुद्र के ऊपर बना दबाव 12 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर की ओर बढ़ने लगा है। बंगाल की दक्षिण-पूर्वी खाड़ी, कार निकोबार (निकोबार द्वीप समूह का उत्तरी भाग) के उत्तर-उत्तर-पूर्व के लगभग 200 किमी और पोर्ट ब्लेयर (अंडमान द्वीप समूह) के दक्षिण-दक्षिण-पूर्व के 100 किमी के ऊपर अवसाद, अगले में एक गहरे अवसाद में तीव्र हो जाएगा। मौसम विभाग के मुताबिक अंडमान में आज हवा की रफ्तार 65 किलोमीटर प्रति घंटे से 75 किलोमीटर तक पहुंच सकती है। शाम तक इसकी रफ्तार में और तेजी आएगी। अंडमान सागर, दक्षिण-पूर्व और पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी में सामुद्रिक हलचलें तेज होने की संभावना है। इसके अलावा पूर्व मध्य और उससे सटे दक्षिण पश्चिम और उत्तर पूर्व बंगाल की खाड़ी और अंडमान सागर में सामुद्रिक हलचलें तेज हो गई है। सोमवार को अंडमान द्वीप समूह के अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा और गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। इसके बाद भारी बारिश की आशंका जताई गई है। मौसम विभाग के मुताबिक अंडमान में आज हवा की रफ्तार 65 किलोमीटर प्रति घंटे से 75 किलोमीटर तक पहुंच सकती है। शाम तक इसकी रफ्तार में और तेजी आएगी। अंडमान सागर, दक्षिण-पूर्व और पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी में सामुद्रिक हलचलें तेज होने की संभावना है। इसके अलावा पूर्व मध्य और उससे सटे दक्षिण पश्चिम और उत्तर पूर्व बंगाल की खाड़ी और अंडमान सागर में सामुद्रिक हलचलें तेज हो गई है। सोमवार को अंडमान द्वीप समूह के अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा और गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। इसके बाद भारी बारिश की आशंका जताई गई है।

परिवारवाद के खिलाफ प्रधानमंत्री मोदी का आह्वान वंशवादी राजनीति के विरुद्ध निर्णायक सिद्ध हो सकता है..............

वर्ष 1994 में आई फिल्म 'सरदार' का एक दृश्य है। उसमें दिखाया है कि सरदार पटेल शाम को थके-हारे घर लौटे हैं। बिस्तर पर लेट ही रहे हैं कि अपनी बेटी मणिबेन से घर आई डाक के बारे में पूछते हैं। मणिबेन बताती हैं कि भाई दिल्ली आना चाहता है। पटेल मणिबेन को सुझाव देते हैं कि वह लौटती डाक से चिट्ठी भेज दे कि जब तक वह मंत्री हैं, तब तक वह दिल्ली आने की न सोचे। इसका अंतर्निहित संदेश यही है कि पटेल जब तक जीवित रहे, उन्होंने अपने परिवार के किसी व्यक्ति को राजनीति में उन्होंने आगे नहीं बढ़ाया। असल में यह विवरण विगत 15 मार्च को हुई भाजपा संसदीय दल की बैठक में परिवारवाद की राजनीति पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रहार से प्रासंगिक प्रतीत होता है। उसमें प्रधानमंत्री ने दो-टूक कहा था कि हालिया विधानसभा चुनावों में पार्टी नेताओं के बेटे-बेटियों के टिकट उनके कहने पर काटे गए। उन्होंने कहा कि भारतीय राजनीति को परिवारवाद खोखला कर रहा है और हमें इससे निपटना होगा। वैसे तो लोकतंत्र में परिवारवाद का कोई आधार नहीं होना चाहिए, लेकिन आज शायद ही कोई पार्टी हो, जहां परिवारवाद नहीं है। कुछ छोटी पार्टियां तो प्राइवेट लिमिटेड कंपनियों की तरह काम कर रही हैं। कह सकते हैं कि लोकतंत्र के खांचे में परिवार केंद्रित यह नए तरह का राजतंत्र है। यह विडंबना ही है कि जिस कांग्रेस में पटेल जैसे नेताओं का वंशवाद के खिलाफ सख्त रुख रहा, उसी के शीर्ष नेतृत्व पर परिवारवाद पूरी तरह हावी रहा। हालांकि अब इस पर सवाल उठ रहे हैं, लेकिन यह नहीं कहा जा सकता कि इसकी कुछ ठोस परिणति भी निकलेगी। कांग्रेस में वंशवादी जड़ें बहुत गहरी हैं। वर्ष 1928 में मोतीलाल नेहरू दूसरी बार कांग्रेस अध्यक्ष बने। इसके अगले साल यानी 1929 में उन्होंने अपने पुत्र जवाहरलाल नेहरू को अध्यक्ष बनाने के लिए अभियान चलाया और 40 वर्षीय जवाहर को अध्यक्ष बनवाने में सफल रहे। तब जवाहर से 14 साल बड़े पटेल का अध्यक्ष बनना तय था। पटेल 1930 में अध्यक्ष बन सके। वैसे कुछ कांग्रेस नेता समय-समय पर परिवारवाद के विरुद्ध आवाज भी उठाते रहे। उनमें श्री बाबू के नाम से विख्यात बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री श्रीकृष्ण सिंह का नाम प्रमुख है। 1957 के चुनाव में उनकी परिक्रमा करने वालों ने उनके बेटे शिवशंकर को टिकट देने की मांग रखी। तब श्री बाबू ने इसे सिद्धांतहीन बताते हुए कहा था कि परिवार में एक ही व्यक्ति को टिकट मिलना चाहिए। कांग्रेस में वंशवाद का दूसरा उदाहरण भी गांधी-नेहरू परिवार से ही है। 1958 में पं. नेहरू ने कांग्रेस कार्यसमिति के 24 सदस्यों में 41 वर्षीय इंदिरा गांधी को शामिल कराया और इसके अगले ही साल इंदिरा पार्टी की अध्यक्ष बना दी गई।

भारत में जल संकट और उसके निदान को समझने के लिए इन तीन जल संबंधी समस्याओं पर करनी होगी बात

भारत में जल संकट और उसके निदान को गहराई से समझने के लिए वर्तमान की तीन जल संबंधी समस्याओं पर बात करनी होगी। पहली बात, सभी आवश्यकताओं के लिए जल की मांग बढ़ रही है। इसका तात्पर्य है कि इस समय मध्यम स्तर की वर्षा जल संबंधी मांगों की पूर्ति के लिए व्यवस्था नहीं कर पा रही हैं। देश की सभी प्रमुख नदियों का पानी कम वर्षा वाले कालखंड में आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सीमा से अधिक आवंटित किया गया। भारत हाइड्रोलिक संरचनाओं की स्थापना भी नहीं कर सका जिससे अधिक वर्षा वाले वर्षों में कम वर्षा या सूखे वाले वर्षों के लिए जल संचयन किया जाता है।दूसरी बात, केंद्र व राज्य स्तर पर समुचित योजनाओं की अनुपलब्धता से सामान्य वर्षाकाल में भी नवीकरणीय भूजल नहीं रहा जिसका प्रयोग सभी आवश्यकताओं में किया जा सकता। हरित क्रांति के बाद स्थिति और खराब हुई है। बिजली पर किसानों को दी जा रही सब्सिडी ने अनावश्यक सिंचाई को बढ़ावा दिया है। भारत इस समय अमेरिका और चीन द्वारा संयुक्त रूप से प्रयोग किए जा रहे भूजल से भी अधिक का उपयोग कर रहा है। आंध्र प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र, पंजाब, राजस्थान तेलंगाना में भूजल दोहन सीमा के पार जा चुका है। कई स्थानों पर भूजल स्तर प्रतिवर्ष एक मीटर से अधिक कम हो रहा है। इंडो-गैंजेटिक एक्विफर (जलाभृत) अब विश्व का दूसरा सबसे दबाव वाला जलाभृत है।तीसरी बात यह है कि जल प्रदूषण भारत में महामारी की तरह हो चुका है और शहरी क्षेत्रों के निकट सभी जलसनेत प्रदूषित हो चुके हैं। जल प्रदूषण तेजी से बढ़ रहा है। इसमें दूषित पानी के ट्रीटमेंट की कमी भी शामिल है। भारत के सामने जल संबंधी कई समस्याएं मुंह बाए खड़ी हैं, लेकिन सही नीतियों व संस्थागत सुधारों से इन समस्याओं से पार पाया जा सकता है। मैं स्थान की कमी के कारण केवल घरेलू जल प्रयोग, समस्याओं और निदान की बात करूंगा। शहरी मामलों के मंत्रालय का आकलन है कि प्रतिदिन प्रत्येक नागरिक की पहुंच 130 लीटर पानी तक होनी चाहिए, लेकिन किसी राजनेता या जल विशेषज्ञ ने एक मूलभूत सवाल का जवाब देना तो दूर, प्रशन ही नहीं किया कि आखिर 130 लीटर क्यों। स्वस्थ जीवनशैली के लिए प्रतिदिन प्रयोग के जल की मात्रा का निर्धारण तथ्यों के आधार पर होना चाहिए।दुखद है कि इस मुद्दे को समूचे भारतीय इतिहास में कभी पढ़ा-पढ़ाया ही नहीं गया। एशिया के एक अन्य देश सिंगापुर में इस मुद्दे पर 1960 से 1970 तक दस वर्ष तक विमर्श और अध्ययन किया गया। इससे पता चला कि 75 लीटर प्रतिदिन प्रतिव्यक्ति से अधिक जल प्रयोग करने से कोई स्वास्थ्य लाभ नहीं होता है। 1965 में अपनी स्वतंत्रता के समय सिंगापुर की जलवायु और आर्थिक स्थितियां भारत के समान ही थीं। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए प्रतिव्यक्ति जल प्रयोग की मात्रा भी समान हो सकती है। ऐसा हो तो भारत में प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन 55 लीटर पानी

बचेगा। चूंकि घरेलू प्रयोग में पानी का 85 से 90 प्रतिशत भाग बर्बाद हो जाता है तो पानी की इस प्रकार की बर्बादी भी कम होगी।बड़े भारतीय शहरों के सामने एक और प्रमुख समस्या यह है कि वहां जल संबंधी संस्थानों के प्रमुख भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी होते हैं। वह बिना किसी पूर्व अनुभव या ज्ञान के जल संबंधी संस्थान में नियुक्त हो जाते हैं और वहीं रहकर सीखते हैं कि कैसे जल प्रयोग संबंधी काम किए जाएं। विडंबना यह है कि जब तक यहअधिकारी सीखकर तैयार होते हैं, उनका स्थानांतरण कर दिया जाता है। आमतौर पर 18 माह में स्थानांतरण हो जाता है। इसे बदलने की जरूरत है। भारत में सभी जल संबंधी संस्थाओं के प्रमुख के तौर पर सर्वश्रेष्ठ अधिकारियों का चयन होना चाहिए। उन्हें वार्षिक समीक्षा के आधार पर तीन वर्ष का शुरुआती कार्यकाल दिया जाना चाहिए। अगर इस सामान्य प्रक्रिया का पालन कर लिया जाए तो दिल्ली, मुंबई या चेन्नई की जल समस्याओं को वर्तमान में उपलब्ध वित्तीय संसाधनों से ही 60 से 70 प्रतिशत तक समाप्त किया जा सकता है। जल संस्थाओं के प्रमुखों का कार्यकाल अगले तीन वर्ष बढ़ाया जा सकता है यदि वह कार्यकुशलता के मापदंड पर खरे उतरें।अंत में, हर घर नल से जल योजना पर कुछ कहना चाहूंगा। इस बात में कोई प्रशन ही नहीं है कि यह योजना चालीस वर्ष पहले ही आरंभ की जानी चाहिए थी। यह करोड़ों भारतीयों की जल समस्याओं का निस्तारण करेगी, लेकिन यह पर्याप्त नहीं है। इस योजना में दो महत्वपूर्ण क्षेत्रों में संशोधन जरूरी हैं। पहला यह कि घर-घर पानी पहुंचाना उतना कठिन या महंगा नहीं है जितना घरेलू उपयोग से बर्बाद होने वाले पानी का संकलन और ट्रीटमेंट। ताकि इसका पुनः प्रयोग किया जा सके और पीने योग्य भी बनाया जा सके। अभी तक वहां किसी प्रकार की समस्या इससे नहीं देखी गई है। इसी तरन्ह ंसगापुर में ट्रीट किया गया बेकार पानी गुणवत्ता में नल के जल से बेहतर होता है। इसी कारण वहां ट्रीट किया हुआ पानी वेफर उद्योग में प्रयोग किया जाता है जहां बहुत शुद्ध पानी की आवश्यकता होती है। हर घर नल से जल योजना में दूसरी बड़ी समस्या है कि भारत में नगरपालिका पानी की गुणवत्ता 20 मानकों पर मापती है। वहीं, ंसगापुर में 351 और चीन में 110 से अधिक मानकों पर पानी की गुणवत्ता कसी जाती है। यही कारण है कि भारत में अमीर-गरीब किसी को भी नल से जल की गुणवत्ता पर भरोसा नहीं है। अमीर रिवर्स ओस्मोसिस यानी आरओ वाले फिल्टर का प्रयोग करते हैं तो गरीब पानी उबालकर काम चलाते हैं। उबालने से बैक्टीरिया तो खत्म हो जाते हैं, लेकिन खतरनाक रसायनों और भारी धातुओं से निजात नहीं मिलती। जब तक भारत का जल क्षेत्र तेज और प्रभावी सुधार नहीं करता, आने वाले दशकों में भी इसके नागरिकों के लिए जल परीक्षण एक स्वप्न ही रहेगा।

जेल जाने के बाद भी मंत्री क्यों नहीं छोड़ते पद, दागी मंत्री को पद से हटाने के बारे में क्या है कानून

महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक करीब एक महीने से जेल में हैं। दाऊद इब्राहिम से लिंक के आरोपों में पहले वे ईडी की हिरासत में थे और अब न्यायिक हिरासत में हैं। नवाब मलिक ने जेल में होने के बावजूद ना तो मंत्री पद से इस्तीफा दिया और ना ही मुख्यमंत्री ऊद्धव ठाकरे ने उनसे इस्तीफा मांगा है। सूबे के सत्ताधारी गठबंधन ने घोषणा की है कि वह मलिक से इस्तीफा नहीं मांगेगा क्योंकि उन पर लगे आरोप राजनीति से प्रेरित हैं। दलीलें कुछ भी हों बड़ा सवाल यह है कि क्या कोई व्यक्ति जेल जाने के बाद भी मंत्री बना रह सकता है।ऐसा क्या है कि नवाब मलिक एक महीने से जेल में होने के बावजूद मंत्री पद पर काबिज हैं और सत्ताधारी दल सीना ठोंक कर उनकी तरफदारी कर रहा है। विशेषज्ञों की मानें तो इसके पीछे नियम कानूनों की शून्यता है। जेल में बंद दागी मंत्री को पद से हटाने के बारे में कानून मौन है। इस बारे में ना तो कोई कानून है और ना ही कंडेक्ट रूल में कुछ कहा गया है। यह ग्रे एरिया है जिसका लाभ नवाब मलिक को मिल रहा है।देखा जाए तो एक सरकारी कर्मचारी अगर दो चार दिन जेल में रहता है तो वह निलंबित हो जाता है लेकिन एक मंत्री करीब एक महीने से जेल में होने के बावजूद पद पर काबिज है। इस अजीब संवैधानिक स्थिति पर लोकसभा के पूर्व महासचिव पीडीपी आचारी कहते हैं कि इस बारे में कोई कानून या नियम नहीं हैं। सरकारी कमर्चारी के बारे में कंडक्ट रूल में है कि जेल जाने पर वह निलंबित रहेगा लेकिन मंत्री के जेल जाने पर उसे पद से इस्तीफा देना होगा या वह पद से हटा दिया जाएगा कानून में ऐसी कोई बात नहीं कही गई है।आचारी का मानना है कि इस संबंध में स्पष्टता आनी चाहिए और सुप्रीम कोर्ट को यह मुद्दा तय करना चाहिए। देखा जाए तो इस स्थिति से निबटने के दो ही तरीके हैं या तो कानून बने या फिर अदालत व्यवस्था दे। कोर्ट किसी मुद्दे को तब तक परिभाषित नहीं करता या व्यवस्था नहीं देता है जब तक उसके सामने कोई मामला नहीं आता है। ऐसे मामलों में कोर्ट स्वतः संज्ञान लेकर व्यवस्था नहीं देता।दूसरा तरीका है कि विधायिका ही इस पर नियम कानून बनाए लेकिन सवाल है कि सियासी निहितार्थ के ऐसे मुद्दे पर क्या राजनेता एकजुट होंगे। लोकसभा के पूर्व महासचिव संविधानविद सुभाष कश्यप भी मानते हैं कि इस पर स्थिति स्पष्ट होनी चाहिए और जेल गए मंत्री को पद पर रहना

चाहिए या नहीं यह बात कम से कम कोड आफ कंडक्ट में आनी चाहिए। मौजूदा कानूनी स्थिति यह है कि जब तक अदालत से किसी को दोषी नहीं ठहराया जाता तब तक वह निर्दोष माना जाता है।सुभाष कश्यप के मुताबिक मौजूदा कानून में अंडर ट्रायल के तौर पर जेल मे रहते हुए मंत्री के रहने पर रोक नहीं है। ये नैतिकता का विषय है और नैतिकता का तकाजा है कि जेल जाने पर मंत्री पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले में सांसद विधायकों को भी पब्लिक सर्वेन्ट बताए जाने पर कश्यप कहते हैं कि वह फैसला बहस का विषय है अभी यह तय नहीं है कि किस मुद्दे पर वे पब्लिक सर्वेन्ट माने जाएंगे।मौजूदा कानून में तो दोषी ठहराए जाने और सजा होने पर ही सांसद या विधायक अयोग्य होता है और उसकी सदस्यता जाती है। कश्यप यह भी कहते हैं कि सदस्य और मंत्री में अंतर नहीं है अगर कोई सदस्य रह सकता है तो मंत्री भी रह सकता है। मंत्रियों की नियुक्ति की संवैधानिक व्यवस्था देखी जाए तो राज्यपाल ही नियुक्ति करता है और राज्यपाल ही बर्खास्त करता है। ऐसे में सवाल यह कि क्या राज्यपाल को जेल में बंद दागी मंत्री को पद से बर्खास्त करने का अधिकार है।कश्यप का कहना है कि संविधान कहता है कि राज्यपाल मुख्यमंत्री की नियुक्ति करेंगे और मुख्यमंत्री की सलाह पर अन्य मंत्रियों की नियुक्ति करेंगे। किसी मंत्री की बर्खास्तगी के मामले में राज्यपाल मुख्यमंत्री की सलाह पर ही काम करेंगे। वह कहते हैं कि सुप्रीम कोर्ट भी पूर्व फैसलों में कह चुका है कि ऐसे मामलों में राज्यपाल मुख्यमंत्री की सलाह पर काम करेंगे। ऐसे में राज्यपाल सीधे किसी मंत्री को बर्खास्त नहीं कर सकते है।जिन राज्यों में दो सदन हैं वहां एक राज्य विधान परिषद (विधान परिषद), और एक राज्य विधान सभा (विधानसभा) है। ऐसे मामले में, विधान परिषद ऊपरी सदन है, जबकि विधान सभा राज्य विधायिका का निचला सदन है। राज्यपाल विधानमंडल या संसद का सदस्य नहीं होगा, लाभ का कोई पद धारण नहीं करेगा, और वह भत्ते और भत्ते का हकदार होगा। (भारतीय संविधान का अनुच्छेद 15 (12). विधान सभा में 500 से अधिक सदस्य नहीं होते हैं और 60 से कम नहीं होते हैं। सबसे बड़ी राज्य, उत्तर प्रदेश, की विधानसभा में 404 सदस्य हैं।

जयशंकर और आस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री में हुई द्विपक्षीय वार्ता, आर्थिक समझौतों से लेकर यूक्रेन तक पर हुई चर्चा

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार को अपने आस्ट्रियाई समकक्ष अलेक्जेंडर शालेनबर्ग के साथ बातचीत की। दोनों के बीच द्विपक्षीय आर्थिक समझौतों से लेकर यूक्रेन पर रूस के हमले के प्रभाव पर भी चर्चा हुई। शालेनबर्ग तीन दिन की भारत यात्रा पर शनिवार को यहां पहुंचे थे। बैठक के बाद जयशंकर ने ट्वीट कर कहा कि आस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री शालेनबर्ग के साथ बातचीत सार्थक रही। द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग वाले संभावित क्षेत्रों की पहचान की गई। पिछले एक दशक में भारत की प्रगति के बारे में उनकी गहरी जानकारी सराहनीय है। कोरोना महामारी और उसके बाद यूक्रेन पर रूस के हमले की वजह से जिस तरह से वैश्विक स्तर पर औद्योगिक सप्लाई चेन पर असर पड़ा है उसे देखते हुए बहुमूल्य धातुओं के खन्न व उसके कारोबार का दो देशों के रिश्तों में एक अहम स्थान हो गया है। सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्काट मारीसन के बीच होने वाले वर्चुअल शिखर सम्मेलन में भी लिथियम, कोबाल्ट के खन्न व उसके इस्तेमाल को लेकर समझौते के प्रारूप पर चर्चा होगी। इसमें आस्ट्रेलिया भारत में 1,500 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा भी करेगा। हालांकि उम्मीद के मुताबिक, दोनों देशों के बीच कारोबारी समझौते की घोषणा वर्चुअल बैठक में नहीं होगी, इसकी घोषणा इसी महीने के अंत तक दूसरे समारोह में करने की तैयारी है। मारीसन के साथ मोदी की यह शिखर बैठक तीन दिन के भीतर क्वाड संगठन के दूसरे देश के शीर्ष नेता के साथ दूसरी बैठक होगी। शनिवार को पीएम मोदी की जापान के प्रधानमंत्री के साथ सालाना शिखर बैठक हुई थी। मोदी और मारीसन की बैठक में यूक्रेन पर रूस के हमले का मुद्दा उठेगा। आस्ट्रेलिया भी जापान की तरह ही इस पूरे घटनाक्रम के लिए रूस को दोषी ठहरा रहा है व उस पर कई तरह के प्रतिबंध लगाने की घोषणा भी कर चुका है। हालांकि, भारत के रुख का आस्ट्रेलिया संज्ञान ले रहा है। नई दिल्ली में आस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त बैरी ओ फारैल का कहना है कि पूरा क्वाड संगठन भारत के रुख को समझ रहा है। हर देश के अपने द्विपक्षीय रिश्ते होते हैं। उम्मीद है कि पीएम मोदी रूस के साथ अपने रिश्तों का इस्तेमाल इस युद्ध की स्थिति को समाप्त करने के लिए कर रहे हैं। सनद रहे कि जापान के पीएम फुमियो किशिदा ने भी शनिवार को यह उम्मीद जताई थी कि पीएम मोदी रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन को यूक्रेन पर हमला रोकने के लिए तैयार करेंगे। प्रल्हाद जोशी सूत्रों का कहना है कि भारत की तरफ से आस्ट्रेलिया के साथ बहुमूल्य धातुओं के खनन व उसके साझा इस्तेमाल को लेकर काफी समय से बात हो रही हैं। जल्द ही भारत के खनन मंत्री प्रल्हाद जोशी आस्ट्रेलिया की यात्रा पर जाएंगे। 55 प्रतिशत

वैश्विक लिथियम का उत्पादन करता है आस्ट्रेलिया दुनिया में जितना लिथियम का उत्पादन होता है उसका 55 प्रतिशत अकेले आस्ट्रेलिया करता है। लिथियम का इस्तेमाल इलेक्ट्रिक वाहनों और सौर ऊर्जा के उपकरण बनाने में होता है। आने वाले दिनों में इन दोनों का उत्पादन काफी बढ़ने वाला है। बता दें कि पिछले साल सितंबर में क्वाड देशों की शिखर बैठक में भी बहुमूल्य धातुओं के खनन को लेकर संयुक्त तौर पर आगे बढ़ने की बात हुई थी। भारत और आस्ट्रेलिया के बीच एक व्यापार समझौता करने को लेकर बात भी हो रही है। अभी पहले फेज का समजौता होगा लेकिन इसके बाद विस्तृत व्यापार समझौता किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

कल से तीन दिनों तक अपनी मिट्टी का जन्मोत्सव मनाएगा बिहार

पटना। मंगलवार को बिहार अपनी स्थापना का 110वां जन्मोत्सव मनाएगा। 22 मार्च 1912 को बिहार (उड़ीसा व झारखंड समेत) अस्तित्व में आया था। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के दिशा-निर्देश पर इस बार भव्य अंदाज में तीन दिवसीय बिहार दिवस समारोह मनाया जा रहा है। कोरोना संकट के चलते दो साल बिहार दिवस समारोह बाधित हुआ। जबकि 2019 में लोकसभा चुनाव की घोषणा के चलते यह आयोजन बड़े पैमाने पर नहीं हुआ। शिक्षा एवं संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने रविवार को मुख्य आयोजन स्थल गांधी मैदान स्थित प्रशासनिक भवन में पत्रकारों को बताया कि प्रदेश में ही नहीं, बल्कि देश-दुनिया में बिहार दिवस बिहारीपन की पहचान बन चुका है। विजय चौधरी ने बताया कि बिहार सरकार के महत्वपूर्ण अभियान जल-जीवन-हरियाली थीम पर आधारित है बिहार दिवस समारोह। बिहार के ऐतिहासिक गौरव का ध्यान में रखते हुए तीन दिवसीय समारोह को शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक रूप भव्य स्वरूप दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मंगलवार को शाम साढ़े पांच बजे गांधी मैदान में इस समारोह का उद्घाटन करेंगे। 24 मार्च को राज्यपाल फागू चौहान द्वारा समारोह का समापन किया जाएगा। पूरे आयोजन में आमलोगों की ज्यादा से ज्यादा भागीदारी सुनिश्चित होगी और उन सब के लिए नृत्य-संगीत व नाट्य प्रस्तुति के अतिरिक्त कई और रूचिकर सांगीतिक कार्यक्रम का भी इंतजाम किया गया है। पहली बार गांधी मैदान में 500 ड्रोन का एकसाथ प्रदर्शन होगा। जबकि लेजर शो से बिहार की विरासत के बारे में जानकारी दी जाएगी। वहीं नेशनल बुक ट्रस्ट की ओर से पुस्तक मेला और पर्यटन विभाग द्वारा बिहारी व्यंजन मेला का आयोजन होगा। दिल्ली हाट की तर्ज पर पहली बार गांधी मैदान में पटना हाट भी तैयार किया गया है जो आगंतुकों के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र होगा। हाट में बिहार से जुड़े हस्तशिल्प समेत अन्य वस्तुओं की प्रदर्शनी होगी।

बहलोल पुर मंदिर पर हुआ तोडफोड

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। के बहलोलपुर गांव स्थित शिव मंदिर में असामाजिक तत्वों ने रविवार रात को तोड़फोड़ कर दी। इस दौरान आरोपियों ने मंदिर में रखी मूर्ति और शिवलिंग भी खंडित कर दिया। सोमवार सुबह जब ग्रामीण मंदिर पहुंचे तो अंदर का नजारा देख हैरान रह गए, इसके बाद काफी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए और हंगामा कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही सेक्टर-63 थाना पुलिस और वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए और घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद ग्रामीणों को समझा-बुझाकर शांत किया। इस मामले में पुलिस सीसीटीवी कैमरों की मदद से आरोपियों की तलाश करने में जुटी है।जानकारी के अनुसार, सेक्टर 63 थाना क्षेत्र के बहलोलपुर गांव में स्थित एक शिव मंदिर में रविवार रात असामाजिक तत्वों ने घुसकर तोड़फोड़ कर दी। आरोपियों ने मंदिर में रखी भगवान की मूर्तियां और शिवलिंग भी खंडित कर दिया। सोमवार सुबह कुछ ग्रामीण मंदिर में पूजा करने के लिए पहुंचे तो इस घटना की जानकारी हुई। जिसके कुछ ही देर में ग्रामीणों की मौके पर भारी भीड़ एकत्र हो गई। इस दौरान ग्रामीणों ने हंगामा कर दिया और आरोपियों को जल्द पकड़ने की मांग करने लगे। सूचना पर पहुंची पुलिस और उच्चाधिकारियों ने किसी तरह ग्रामीणों को समझा-बुझाकर शांत किया। इस दौरान मौके पर घंटों तक हंगामा चलता

रहा और लगभग 3 घंटे के हंगामे के बाद ग्रामीण शांत हुए। इस मामले में फिलहाल पुलिस मंदिर के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से आरोपियों की पहचान करने में जुटी है। इसके अलावा पुलिस अधिकारी मंदिर के आसपास बने घरों के लोगों से भी पूछताछ कर रहे हैं। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सोशल मीडिया में वायरल हुए वीडियो मंदिर में तोड़फोड़ की घटना के बाद सोमवार सुबह इससे संबंधित फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। वायरल मैसेज में मंदिर में तोड़फोड़ के साथ साथ मांस रखने की भी बात बताई गई थी, जबकि पुलिस को मौके से मांस बरामद नहीं हुआ है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मंदिर में तोड़फोड़ की गई है। मंदिर के अंदर से मांस मिलने की जानकारी गलत है। सीसीटीवी के आधार पर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

चिंटू समोसा वाला बना गुंडा

(आधुनिक समाचार सेवा)
दिनेश यादव

मैहर। नगर में समोसे वाले गुंडे का आतंक बढ़ता जा रहा है, पहले तो यह सिर्फ आम आदमियों से बदतमीजी करता था, किन्तु अब यह पत्रकारों को भी खुलेआम धमकी दे रहा है। मामला आज दोपहर 2 बजे का है, चिंटू समोसे वाले द्वारा प्रसासन की लाख समझाइस के बाद भी खुलेआम चौराहे पर ठेला लगाया जा रहा है, उसका कहना है कि कोई मेरा कुछ नही उखाड़ सकता। राष्ट्रीय ग्रामीण पत्रकार संघ के जिला उपाध्यक्ष उसी वक्त बाजार में होली के आर्टिकल हेतु कवरेज कर रहे थे। चिंटू समोसा वाले द्वारा आकर उक्त पत्रकार से बदतमीजी की गई एवं गालीगलौज कर कहा गया कि मेरा न मैहर का कोई पत्रकार कुछ उखाड़ सकता है, न ही पुलिस और न ही प्रसासन मेरे बीच मे न पड़ो, उक्ताशय की लिखित सूचना मैहर पुलिस थाने में दे दी गयी है। अब देखना है कि प्रसासन मूकदर्शक बन सब कुछ देखता रहेगा या आगे कोई कार्यवाही होगी जिससे इन ठेले वाले गुंडों से

जनता को निजाद मिल सके। आपको याद दिला देवें की यह ठेले वाला वही है जिसने विगत दिनों मैहर तहसीलदार के साथ भी बदतमीजी की थी।

बंगाल के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने सुवेंदु अधिकारी के बारे में बोला अपशब्द, ममता बनर्जी को कहा मां

कोलकाता। बंगाल के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी की वायरल वीडियो क्लिप को लेकर राज्य की राजनीतिक में घमासान छिड़ गया है। एक वीडियो नेट पर वायरल हुआ है, जिसमें वरिष्ठ पुलिस अधिकारी नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी पर हमले के साथ ही मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की तारीफ करते हुए सुनाई दे रहे हैं। हालांकि, जागरण ने इस वायरल वीडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं की है।बांकुड़ा पुलिस लाइन में पश्चिम बंगाल पुलिस कल्याण संघ के एक समारोह में कोलकाता पुलिस के संयुक्त आयुक्त और संगठन के महासचिव शांतनु सिन्हा बिश्वास द्वारा सुवेंदु अधिकारी को गाली-गलौज करने के साथ उनका अपमान किया गया है। पुलिस अधिकारी ने विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी पर हमला बोलने के साथ मुख्यमंत्री को मां कहा। वायरल वीडियो में शांतनु यह कहते हुए सुनाई दे रहे हैं कि एक नेता हैं जो जनरेटर बंद कर विधायक बन गए हैं। मैं उनका नाम लेकर खुद को छोटा नहीं करना चाहता। वह जहां भी सभाओं में जाते हैं, मेरे नाम का अपमान करते हैं। उन्हें पुलिस कर्मियों से कहते सुना गया कि ऐसा कुछ भी मत करो जिससे हमारे राज्य की मुख्यमंत्री, जो हमारी और कि बंगाल पुलिस सरकार की दास बन गई है। हालांकि सत्ता पक्ष ने कोई जवाब नहीं दिया। उधर सोमवार को विधानसभा सत्र में चकदह के भाजपा विधायक बंकिम घोष ने कहा कि शांतनु सिन्हा बिश्वास द्वारा सुवेंदु अधिकारी को गाली-गलौज और अपमान किया गया है।

आज से तीन दिनों तक अपनी मिट्टी का जन्मोत्सव मनाएगा बिहार, पटना गांधी मैदान में उद्घाटन करेंगे सीएम नीतीश

पटना। मंगलवार को बिहार अपनी स्थापना का 110वां जन्मोत्सव मनाएगा। 22 मार्च 1912 को बिहार (उड़ीसा व झारखंड समेत) अस्तित्व में आया था। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के दिशा-निर्देश पर इस बार भव्य अंदाज में तीन दिवसीय बिहार दिवस समारोह मनाया जा रहा है। कोरोना संकट के चलते दो साल बिहार दिवस समारोह बाधित हुआ। जबकि 2019 में लोकसभा चुनाव की घोषणा के चलते यह आयोजन बड़े पैमाने पर नहीं हुआ। शिक्षा एवं संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने रविवार को मुख्य आयोजन स्थल गांधी मैदान स्थित प्रशासनिक भवन में पत्रकारों को बताया कि प्रदेश में ही नहीं, बल्कि देश-दुनिया में बिहार दिवस बिहारीपन की पहचान बन चुका है। विजय चौधरी ने बताया कि बिहार सरकार के महत्वपूर्ण अभियान जल-जीवन-हरियाली थीम पर

आधारित है बिहार दिवस समारोह। बिहार के ऐतिहासिक गौरव का ध्यान में रखते हुए तीन दिवसीय समारोह को शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक रूप भव्य स्वरूप दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मंगलवार को शाम साढ़े पांच बजे गांधी मैदान में इस समारोह का उद्घाटन करेंगे। 24 मार्च को राज्यपाल फागू चौहान द्वारा समारोह का समापन किया जाएगा। पूरे आयोजन में आमलोगों की ज्यादा से ज्यादा भागीदारी सुनिश्चित होगी और उन सब के लिए नृत्य-संगीत व नाट्य प्रस्तुति के अतिरिक्त कई और रूचिकर सांगीतिक कार्यक्रम का भी इंतजाम किया गया है। पहली बार गांधी मैदान में 500 ड्रोन का एकसाथ प्रदर्शन होगा। जबकि लेजर शो से बिहार की विरासत के बारे में जानकारी दी जाएगी। वहीं नेशनल बुक ट्रस्ट की ओर से पुस्तक मेला और पर्यटन विभाग द्वारा बिहारी व्यंजन मेला का आयोजन होगा। दिल्ली हाट की तर्ज पर पहली बार गांधी मैदान में पटना हाट भी तैयार किया गया है जो आगंतुकों के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र होगा। हाट में बिहार से जुड़े हस्तशिल्प समेत अन्य वस्तुओं की प्रदर्शनी होगी।

विंध्य प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट रीवा ने व्यवहारी को 4 विकेट से पराजित किया

(आधुनिक समाचार सेवा)
दिनेश यादव

मैहर। सोमवार 21 मार्च को विंध्य प्रीमियर लीग क्रिकेट मैच में पहला मैच व्यवहारी एवं रीवा के बीच खेला गया। व्यवहारी की टीम ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने का निणन्य लिया। रीवा टीम की कसावट भरी गेंदबाजी के सामने कोई भी बल्लेबाज चल नहीं पाया। पूरी टीम 20 ओवर की समाप्ति पर मात्र 93 रन ही बना सकी। रीवा की तरफ से रोहित ने 4 ओवर में 12 रन देकर चार विकेट झटके। 94 रन का लक्ष्य लेकर उतरी रीवा के टीम के 5 विकेट जल्द ही गिर गए 33 रन के स्कोर पर आधी टीम पवेलियन लौट गई रीवा की तरफ से नवीन तिवारी30 रन एवं मृदुल मिश्रा ने 26 रन बनाकर रीवा को विजई बनाया। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार रीवा के 4 विकेट लेने वाले रोहित को दिया गया।आज के मैच में अंपायर मांडलिक मिश्रा एवं आनंद त्रिपाठी, स्कोरर रोहित सिंह, मैच का आंखों देखा हाल शांतनु, महेंद्र, ओम प्रकाश एवं राज शर्मा ने सुनाया।

गुलमर्ग और पहलगाम में यूएई ने देखी निवेश की संभावना, पर्यटन क्षेत्र में होगा क्रांतिकारी बदलाव

श्रीनगर। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के 33 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने जम्मू कश्मीर के सुरक्षा परिदृश्य का खुद जायजा लेने के अलावा अपने लिए निवेश की संभावनाओं को तलाशना शुरू कर दिया है। प्रतिनिधिमंडल में पर्यटन, होटल, स्वास्थ्य, आयात-निर्यात और रियल एस्टेट सेक्टर, कपड़ा, सीमेंट, दवा, केबल क्षेत्र से जुड़े उद्योगपति व यूएई के शाही खानदान के सदस्यों समेत यूएई सरकार के प्रतिनिधि भी शामिल हैं। चार दिवसीय दौरे पर यह दल रविवार को ही श्रीनगर पहुंचा था। सोमवार को निवेशक उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से भी मिले। उपराज्यपाल को पूरी उम्मीद है कि अगले छह माह में जम्मू कश्मीर में 70 हजार करोड़ का निवेश होगा। यह सिर्फ पर्यटन और हास्पिटैलिटी के क्षेत्र में ही नहीं, बल्कि अन्य क्षेत्रों में भी पूंजी निवेश होगा सोमवार प्रतिनिधिमंडल के अधिकांश सदस्य दक्षिण कश्मीर में पहलगाम गए तो कुछ ने बारामुला में गुलमर्ग व इससे सटे इलाकों का दौरा किया। उन्होंने वहां के सुरक्षा माहौल और भौगोलिक परिस्थितियों के बारे में जानकारी ली। यह प्रतिनिधिमंडल जनवरी में दुबई एक्सपो के दौरान उपराज्यपाल के निमंत्रण पर आया है। आज मंगलवार को प्रतिनिधिमंडल डल किनारे शेर-ए-कश्मीर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र में जम्मू कश्मीर में आर्थिक विकास और निवेश पर सम्मेलन में हिस्सा लेगा। स्थानीय उद्योगपतियों एवं पूंजीपतियों के अलावा प्रदेश सरकार के अधिकारी शामिल होंगे।

उपराज्यपाल और उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के प्रधान सचिव रंजन प्रकाश ठाकुर उन्हें निवेश की संभावनाओं से अवगत कराएंगे। निवेश किए बिना रह नहीं पाएंगे यूएई के उद्यमी उपराज्यपाल ने कहा कि सरकार ने पहले ही 26 हजार करोड़ के निवेश के औद्योगिक प्रस्तावों को मंजूरी देते हुए जमीन भी उपलब्ध कराई है। यूएई के दिग्गत उद्योगपतियों का प्रतिनिधिमंडल जम्मू कश्मीर दौरे पर है। यूएई का प्रतिनिधिमंडल यहां निवेश किए बिना नहीं रह सकता। आज मंगलवार को होने वाली बैठक बहुत अहम है और उसमें पूरी स्थिति स्पष्ट हो जाएगी। यह निवेश सिर्फ कश्मीर तक सीमित नहीं हो, प्रदेश के सभी क्षेत्रों में होगा।रात्रि भोज और निवेश पर चर्चा : उपराज्यपाल ने निवेशकों के सम्मान में रात्रिभोज का भी आयोजन किया। विदेशी मेहमानों के साथ प्रदेश के प्रमुख उद्योगपति और प्रशासन के अधिकारी भी शामिल हुए। रात को उपराज्यपाल विदेशी मेहमानों से निवेश के मुद्दे पर चर्चा की और उन्हें निवेश बढ़ाने और औद्योगिक विकास को गति देने के लिए किए जा रहे सरकार के प्रयासों से अवगत कराया।निवेश के लिए 'आओ जम्मू कश्मीर को देखें और समझें' आओ जम्मू कश्मीर को देखें और समझें। इसी मूल मंत्र के साथ प्रदेश प्रशासन यूएई से आए प्रतिनिधिमंडल को होटल, पर्यटन, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन और कृषि व रियल एस्टेट में निवेश के लिए आकर्षित करने में जुटा है। रंजन प्रकाश ठाकुर ने कहा कि यूएई के कारोबारी कृषि आधारित उद्योगों और हास्पिटैलिटी सेक्टर में निवेश के इच्छुक हैं। वह सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में निवेश कर सकते हैं। यह हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी अगले माह प्रदेश के दौरे पर आ सकते हैं। वह यहां 35 हजार करोड़ के निवेश से जुड़ीं परियोजनाओं को शुरू करेंगे। प्रदेश सरकार ने 50 हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त किए हैं। इनके लिए पैसा भी जमा हो चुका है, जबकि इससे पहले के छह दशकों में जम्मू कश्मीर में कुल निवेश डेढ़ हजार करोड़ से नीचे रहा है।निवेशकों की कश्मीर को लेकर फैली भ्रांतियां दूर होंगी : यूएई के प्रतिनिधिमंडल का जिक्र करते हुए रंजन प्रकाश ने कहा कि हमारा मकसद है कि पहले यह लोग अच्छी तरह से जम्मू कश्मीर को समझ लें। मुझे यकीन है कि यह निवेश किए बिना नहीं रह सकते। कश्मीर को लेकर बहुत सी भ्रांतियां हैं, वह इस दौरे में दूर होंगी। हम चाहते हैं कि यहां होटल और अस्पताल निर्माण में निवेश हो।

मुकेश सहनी का मास्टर स्ट्रोक भाजपा और राजद दोनों को झटका चंद घंटे में किया हिसाब बराबर

पटना। बिहार सरकार के पशुपालन मंत्री और विकासशील इंसान पार्टी के सुप्रीमो मुकेश सहनी फिलहाल बेहद मुशकिल दौर से गुजर रहे हैं, लेकिन वे सधे कदमों से अपने प्रतिद्वंदियों के साथ ही सहयोगियों को भी हैरान कर रहे हैं। सोमवार को उनकी पार्टी ने चंद घंटे में ऐसा कदम उठाया कि उनके सहयोगी दल भाजपा के साथ ही राजद की भी चिंता बढ़ गई। मामला बोचहां के विधायक रहे मुसाफिर पासवान के बेटे अमर पासवान और राजद नेता रमई राम से जुड़ा हुआ है। दिवंगत विधायक मुसाफिर पासवान के बेटे अमर पासवान को मुकेश सहनी बोचहां सीट के लिए विधानसभा उप चुनाव में अपना उम्मीदवार बनाने वाले थे। अमर पासवान के लिए उन्होंने अपने सहयोगी दल भाजपा से लोहा लिया था। भाजपा ने इस सीट पर बेबी देवी को अपना उम्मीदवार बनाया है।

इससे पहले कि सहनी अमर पासवान को औपचारिक तौर पर अपना उम्मीदवार घोषित करते वे, खुद ही वीआइपी को छोड़कर राजद की सदस्यता ग्रहण कर लिए। राजद उन्हें अपना उम्मीदवार बना चुका है। इसके थोड़ी ही देर में एक और महत्वपूर्ण घटनाक्रम हुआ है, जो रमई राम से जुड़ा है। राजद नेता और बिहार सरकार के पूर्व मंत्री रमई राम अपनी बेटी को इस सीट से राजद को उम्मीदवार बनाना चाहते थे। तेजस्वी यादव ने अमर पासवान को अपनी पार्टी में शामिल कराने से पहले रमई राम को अपने आवास पर बुलाकर उनसे मुलाकात की और उन्हें समझाने की कोशिश की। लेकिन, इसका कोई फायदा होता दिख नहीं रहा है। तेजस्वी यादव से मिलने के बाद रमई राम अपनी बेटी के लिए टिकट के जुगाड़ में मुकेश सहनी के घर पहुंच गए। बताया जा रहा है कि सहनी रमई राम की बेटी को ही अब अपना उम्मीदवार बना चुके हैं। रमई राम की बेटी गीता देवी भाजपा और राजद दोनों ही उम्मीदवारों के सामने चुनौती बढ़ाएंगी। बोचहां सीट से रमई राम कई बार चुनाव जीत चुके हैं। गीता देवी यहां लंबे समय से तैयारी में लगी थीं।

भाजपा से तृणमूल कांग्रेस में गए चार विधायकों की बंगाल विधानसभा में बदली सीट

कोलकाता। हाल ही में भाजपा छोड़कर तृणमूल कांग्रेस में शामिल हुए चार विधायकों ने विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी के खिलाफ विधानसभा अध्यक्ष बिमान बनर्जी से शिकायत की थी। इन विधायकों ने आरोप लगाया था कि सुवेंदु ने एक विधायक को आयकर रेड कराने की और बाकी को जान से मारने की धमकी दी है। इस आरोप के बाद एक तरफ राज्य सरकार ने चारों विधायकों की सुरक्षा बढ़ा दी तो दूसरी ओर सोमवार को विधानसभा अध्यक्ष उन लोगों की सदन में बैठने की सीटें बदल दी। ये चारों विधायक भाजपा के टिकट पर जीतने के बाद तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए हैं, लेकिन तब भी वे विपक्षी बेंच भाजपा विधायकों के साथ ही बैठते हैं और दावा करते हैं कि वे अभी भी भाजपा में ही हैं। इन चारों विधायकों की सीटों में बदलाव किया गया है। दो दिन पहले तक वे चारों नेता विपक्ष सुवेंदु अधिकारी की दाईं ओर के ब्लाक में बैठते थे। उनकी सीटों को अब विपक्ष के नेता की बाईं ओर स्थानांतरित कर दिया गया है। तृणमूल में शामिल विधायक मुकुल राय भी वहीं बैठते हैं। आज से इस बदली हुई सीट पर बागदा के विधायक विश्वजीत दास, बाडज़ोड़ा के विधायक तन्मय घोष, रायगंज के विधायक कृष्णा कल्याणी और कालियागंज के विधायक सौमेन राय बैठेंगे। इन विधायकों का दावा है कि सुवेंदु अधिकारी बेवजह मुख्यमंत्री के भाषण में बाधा डाल रहे थे। उसी का विरोध किया। इस संदर्भ में आरोप है कि विपक्ष के नेता ने उन्हें आयकर छापेमारी कराने की धमकी दी थी। उन्होंने यह भी शिकायत की कि विपक्षी नेता ने उन्हें जान से मारने की भी धमकी दी है। यह शिकायत स्पीकर को लिखित रूप में दी गई है। तब मुख्यमंत्री ने विधानसभा अध्यक्ष से कार्रवाई करने का अनुरोध किया था। स्पीकर बिमान बनर्जी ने विपक्ष के नेता के खिलाफ विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव को पहले ही स्वीकार कर लिया है। प्रस्ताव को जांच के लिए विशेषाधिकार समिति के पास भेजा गया है। लेकिन उससे पहले सीटें बदल दी गईं। स्पीकर ने विशेषाधिकार समिति की रिपोर्ट चालू सत्र में ही देने का निर्देश दिया है। वहीं नेता विपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने सभी आरोपों को बेबुनियाद बताया है।

पेट्रोल और डीजल के रेट में 137 दिन बाद इजाफा फटाफट करें चेक दिल्ली एनसीआर में दाम

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर के लोगों को महंगाई का एक ओर झटका लगा है। तेल विपणन कंपनियों ने पेट्रोल के दाम में 80 पैस प्रति लीटर का इजाफा किया है। इसके बाद राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 95 रुपये 41 पैसे प्रति लीटर से बढ़कर 96 रुपये 21 पैसे प्रति लीटर हो गई है। इसके साथ ही दिल्ली में डीजल की कीमत 86 रुपये 67 पैसे से बढ़कर 87 रुपये और 47 पैसे प्रति लीटर पहुंच गई है। बता दें कि तेल विपणन कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल के दामों 137 दिन बाद इजाफा किया है। पेट्रोल और डीजल के दामों में इस इजाफे के बाद सफर महंगा हो जाएगा और इसका असर लोगों के रोजाना और आखिरकार मासिक बजट पर भी पड़ना तय ह गौरतलब है कि इससे पहले देश की राजधानी दिल्ली में पिछले कई महीनों से यानी 137 दिन से पेट्रोल का दाम 95 रुपये 41 पैसे प्रति लीटर था, जो मंगलवार सुबह से 96 रुपये 21 पैसे प्रति लीटर हो गया है। इसके अलावा, डीजल की कीमत 86 रुपये 67 पैसे रुपये प्रति लीटर से बढ़कर 87 रुपये और 47 रुपये प्रति लीटर हो गया है। भारतीय पेट्रोलियम विपणन कंपनी इंडियन आयल कारपोरेशन से मिली ताजा जानकारी के मुताबिक, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में पेट्रोल 110 रुपये 82 पैसे प्रति लीटर हो गया है, जबकि डीजल 95 रुपये प्रति लीटर मिल गया है। इसके अलावा, एक अन्य महानगर चेन्नई में पेट्रोल 102 रुपये 16 पैसे प्रति लीटर बिक रहा है, जबकि एक लीटर डीजल का दाम 92 रुपये

19 पैसे प्रति लीटर हो गया है। तेल कंपनियों के दामों में इजाफे के बाद मंगलवार सुबह से नोएडा में पेट्रोल 96 रुपये 3 पैसे और डीजल 87 रुपये 82 पैसे प्रति लीटर मिल रहा है। इससे पहले 137 दिन तक नोएडा में पेट्रोल 95 रुपये 51 पैसे प्रति लीटर मिल रहा था। यह दिल्ली की तुलना में नोएडा में पेट्रोल 0.46 पैसे प्रति लीटर कम था, वहीं, डीजल का प्रति लीटर का दाम 87 रुपये 1 पैसा था। गुरुग्राम में पेट्रोल 95 रुपये 90 पैसे प्रति लीटर बिक रहा है तो एक लीटर डीजल की कीमत 87 रुरये 11 पैसे प्रति लीटर मिल रहा है। वहीं, गाजियाबाद में पेट्रोल 96.09 रुपये हो गया, क्योंकि 80 पैसे की बढ़ोतरी हुई है। वहीं, डीजल 87.61 रुपये प्रति लीटर हो गया है, इसमें 81 पैसे प्रति लीटर का इजाफा हुआ है। वहीं, एलपीजी सिलेंडर के दाम 897.50 रुपये हो गए हैं। वहीं, पेट्रोलियम कंपनियों ने रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में भी बड़ा इजाफा कर दिया है। मंगलवार सुबह से गैस सिलेंडर की कीमत में 50 रुपये का इजाफा हुआ है।

दुनिया के सबसे ऊंचे थिएटर में पहुंची विवेक अग्निहोत्री की फिल्म दिनभर में चल रहे इतने शोज

नई दिल्ली। निर्देशक विवेक अगिन्होत्री की फिल्म द कश्मीर फाइल्स को जिस तरह का रिस्पॉन्स मिल रहा है, वो अभूतपूर्व है। फिल्म ने रिलीज के 10 दिनों में ही 170 करोड़ से अधिक कलेक्शन बॉक्स ऑफिस पर कर लिया है। वहीं, सोशल मीडिया में फिल्म को लेकर यूजर्स जमकर बातें कर रहे हैं। आम आदमी से लेकर राजनीतिक दलों की चर्चाओं में अब द कश्मीर फाइल्स शामिल है। इसके कंटेंट को देखते हुए फिल्म कई राज्यों में टैक्स फ्री घोषित की जा चुकी है। द कश्मीर फाइल्स के लिए लोगों में उत्साह को देखते हुए इसे अब लद्दाख स्थित दुनिया के सबसे ऊंचे सिनेमाघर में भी रिलीज किया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, द कश्मीर फाइल्स को लद्दाख के पिक्चरटाइम इनफ्लेटेबल थिएटर में 20 मार्च से प्रीमियर किया जा रहा है। यह थिएटर 11,562 फुट की ऊंचाई पर स्थित है। उद्घाटन समारोह में लद्दाख के बीजेपी एमपी जमयांग त्सेरिंग नामग्याल और चीफ एक्जीक्यूटिव काउंसलर जाशी ग्याल्तसेन मौजूद रहे। इन थिएटर्स में एक दिन में तीन शोज आयोजित किये जा रहे हैं। द कश्मीर फाइल्स 11 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। उस वक्त किसी ने उम्मीद भी नहीं की थी कि फिल्म आगे चलकर इस कदर सफलता हासिल करेगी। कमाल की बात यह है कि द कश्मीर फाइल्स ने लगभग 3.50 करोड़ रुपये की ओपनिंग ली थी और 10 दिन बाद 167.45 करोड़ से ज्यादा नेट कलेक्शन कर चुकी है। फिल्म ने दूसरे वीकेंड में द कश्मीर फाइल्स ने अक्षय कुमार की बच्चन पांडेय को भी पीछे छोड़ दिया है, जो 18 मार्च को सिनेमाघरों में पहुंची है। दूसरे वीकेंड में द कश्मीर फाइल्स ने जहां 70.15 करोड़ बटोरे, वहीं बच्चन पांडेय सिर्फ 37.25 करोड़ ही जमा कर सकी है। स्टार कास्ट और बजट के हिसाब से द कश्मीर फाइल्स, बच्चन पांडेय के मुकाबले काफी छोटी फिल्म है। द कश्मीर फाइल्स की कहानी 90 के दौर में घाटी में हुए कश्मीरी पंडितों के पलायन और उनकी हत्या पर आधारित है। फिल्म में मिथुन चक्रवर्ती, अनुपम खेर, पुनीत इस्सर, पल्लवी जोशी और दर्शन कुमार ने मुख्य भूमिकाएं निभायी हैं।

जयदीप-जीशान की कहानी में सतीश कौशिक की अलग 'माया' ने जमाया रंग, पढ़ें पूरा रिव्यू

नई दिल्ली। खून के रिश्ते यानी ब्लड रिलेशन से गाढ़ा कोई रिश्ता नहीं माना जाता, लेकिन जब इस रिश्ते में अविश्वास की परत आ जाए तो 'ब्लड' रिलेशन को 'ब्लडी' रिलेशन बनते देर नहीं लगती है। छह एपिसोड्स में फैला जी5 की ताजा वेब सीरीज 'ब्लडी ब्रदर्स' का पहला सीजन दो भाइयों के बीच ऐसे ही रिश्ते की रोमांचक कहानी है। कथाभूमि ऊटी है और कथानक के केंद्र में दो सगे भाई जगजीत ग्रोवर (जयदीप अहलावत) और दलजीत ग्रोवर (मोहम्मद जीशान अय्यूब) हैं। एक-दूसरे से बिल्कुल अलग, दोनों भाई बस खून के रिश्ते से बंधे हुए। बड़ा भाई जगजीत वकील है। उसकी लाइफस्टाइल और शान-शौकत बताती है कि वकालत के अलावा कुछ गैरकानूनी कामों में भी लिप्त है। छोटा भाई दलजीत शायराना मिजाज का है और एक बुक स्टोर चलाकर अपनी जिंदगी से संतुष्ट है। यह बुक स्टोर भी उसे बड़े भाई ने खरीद कर दिया है। जगजीत शादीशुदा है और पतनी प्रिया (श्रुति सेठ) के साथ रहता है। काम की मसरूफियत की वजह से जगजीत पतनी को वक्त नहीं दे पाता, जिसकी उदासी प्रिया के चेहरे पर हर समय मौजूद रहती है। दलजीत का ब्रेकअप हो चुका है और जिस लड़की से प्रेम करता था, वो उनके कजिन से ही शादी कर रही है। ब्लडी ब्रदर्स की कहानी की शुरुआत इसी शादी में दोनों भाइयों के शामिल होने से होती

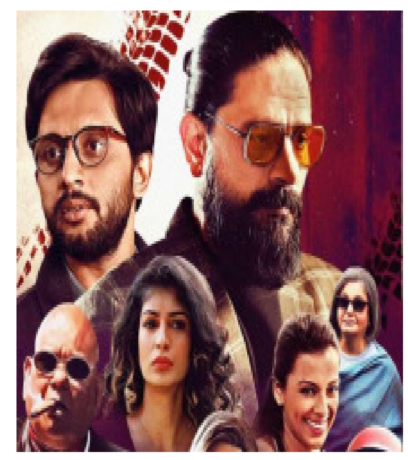

है। रिसेप्शन में जगजीत ने कुछ ज्यादा पी ली है, इसलिए लौटते वक्त दलजीत कार चलाता है। बातों-बातों में दलजीत का ध्यान भटकता है और रात के अंधेरे में सैमुअल अलवारेज (असरानी) नाम का बुजुर्ग शख्स अपने बंगले से निकलकर जा रहा होता और कार से टकराकर उसकी मौत हो जाती है। शातिर जगजीत वहां से भागने के लिए कहता है, मगर दलजीत को यह ठीक नहीं लगता। दोनों भाई सैमुअल को उठाकर उसके घर में ले जाते हैं और सोफे पर सोने की मुद्रा में बिठा देते हैं। जगजीत की नजर मेज पर पड़े प्रेस्क्रिप्शन पर पड़ती है, जिसके मुताबिक सैमुअल कैंसर का मरीज था। कार की टक्कर से सैमुअल को कहीं बाहरी चोट नजर नहीं आती, लिहाजा जगजीत मुतमइन हो जाता है कि उम्र और कैंसर के पर्चे इसे प्राकृतिक मौत साबित करने में मददगार साबित होंगे। यही होता भी है। इसके बाद कहानी कई घुमावदार परिस्थितियों से होते हुए आगे बढ़ती है। नये और दिलचस्प किरदार भी कहानी से जुड़ते हैं, जो धीरे-धीरे इसके कैनवास को बड़ा करते जाते हैं। नये रहस्य भी खुलते हैं, जिनसे ब्लड़ी ब्रदर्स एक थ्रिलर के रूप में विकसित हो जाती है। जगजीत की कारोबारी और शादी-शुदा जीवन की उलझनें, दलजीत और सैमुअल की भतीजी सोफी का प्रेम प्रसंग, सैमुअल की प्रॉपर्टी के लिए साजिशें आगे चलकर सामने आती हैं। सभी एपिसोड्स के शीर्षक विभिनन किरदारों को समर्पित हैं। जगजीत और दलजीत के अलावा ये किरदार हैं- सैमुअल की पड़ोसी शीला डेविड (माया अलग), जो मरने से पहले तक उनकी देखभाल करती थी। सीरीज के क्लाइमैक्स तक पहुंचते-पहुंचते यह किरदार जिस तरह से खुलता है, वो इस सीरीज के सस्पेंस का एक बड़ा सोर्स है। जगजीत के दफ्तर का कर्मचारी और चौबीसों घंटे नशे में रहने वाला दुष्यंत (जितेंद्र जोशी)। ऊटी का निदर्यी माफिया टाइप मगर बेहद शांत रहने वाला बिजनेसमैन हांडा (सतीश कौशिक), जो असल में ब्लैक मनी को व्हाइट करने के धंधे में हैं और दर्जनों फर्जी कम्पनियां चलाता है। इस कहानी के सभी रोमांचक मोड़ों की असली वजह हांडा ही है। हालांकि, इस किरदार की एंट्री अंत के एपिसोड्स में होती है। शेखर (इंद्रनील सेनगुप्ता), जो हांडा का बिजनेस एसोसिएट और मध्यस्थ है। शेखर ही हांडा और जगजीत के बीच की अहम कड़ी है। तान्या (मुगधा गोडसे) भी हांडा के गैंग की मेम्बर है, जिसका इस्तेमाल हांडा कमजोर कडि़यों को तोड़ने में करता है। कुछ और अहम किरदार हैं, जो मुख्य कथानक के सब-प्लॉट्स को भरते हैं और रोमांच को बनाये रखते हैं। अप्लॉज एंटरटेनमेंट और बीसीबी इंडिया निर्मित ब्लडी ब्रदर्स ब्रिटिश सीरीज गिल्ट का भारतीय रूपांतरण है। इस रूपांतरण के साथ स्क्रीनप्ले और संवाद सिद्धार्थ हिरवे, अनुज रजोरिया, रिया पुजारी और नवनीत सिंह राजू ने लिखे हैं। स्क्रीनप्ले में दिखाई जाने वाली घटनाओं का केंद्र बिंदु सैमुअल के कत्ल की रात है और छह एपिसोड्स में कत्ल के 17 दिन बाद तक की कहानी को समेटा गया है। हर एपिसोड की घटनाएं दो ट्रैक पर चलती हैं- एक ट्रैक कत्ल की रात से आगे की घटनाओं को कवर करता है, जबकि दूसरा ट्रैक कुछ घंटे या दिन पहले की घटनाओं को दिखाता है, जिसमें सीरीज के अहम किरदारों के अतीत और कैरेक्टर ग्राफ का पता चलता है। सीरीज के आखिरी तीन एपिसोड्स इसकी जान हैं और सीरीज का रोमांच पेस पकड़ता है। ब्लडी ब्रदर्स के साथ दिक्कत यह है कि जब कहानी का रोमांच अपने चरम पर होता है और एक बड़ा ट्विस्ट देखने के लिए दर्शक एकटक स्क्रीन पर देख रहा होता है तो पता चलता है कि छठा और आखिरी एपिसोड खत्म हो गया है। यानी इस रहस्य को जानने के लिए अब दूसरे सीजन का बेसब्री से इंतजार करना होगा।

मनोज तिवारी का नया गाना 'दिलदार' हुआ रिलीज, भोजपुरी सिनेमा का सबसे महंगा गाना

नई दिल्ली। भोजपुरी सिनेमा के बड़े सितारे और भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने एक बार फिर से संगीत की दुनिया में लौटे हैं। अपने पॉलिटिकल करियर में लगातार व्यस्त एक बार फिर से सिंगर मनोज तिवारी अपने नए गाने से

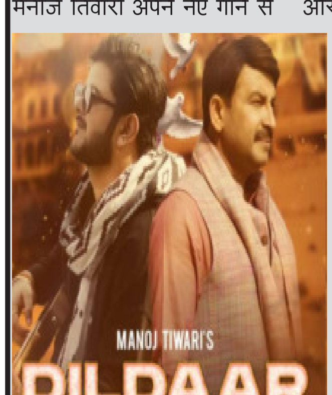

अपने दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए आ रहे हैं। उनका 'दिलदार' गाना रिलीज हो चुका है। यह एक रोमांटिक ट्रैक है, जिसे मनोज तिवारी ने अपनी आवाज में गाया है। मनोज तिवारी के साथ इस गाने में शाहिद कपूर की फिल्म 'कबीर सिंह' के गानों को कंपोज करने वाले म्यूजिक डायरेक्टर विशाल मिश्रा भी नजर आए। दिल्ली में हाल ही में इस म्यूजिक वीडियो का लॉन्च हुआ। इस मौके पर मनोज तिवारी के साथ-साथ म्यूजिक कम्पोजर विशाल मिश्रा और प्रोड्यूसर मयूर भी मौजूद रहे। इस मौके पर मनोज तिवारी ने अपने म्यूजिक वीडियो के बारे में बात की और साथ ही भोजपुरी सिनेमा में फूहड़ गाना गाने वाले सितारों पर ताना मारा। मनोज तिवारी और विशाल मिश्रा ने बताया कि इस गाने के साथ ही उन्होंने एक मुहीम छेड़ी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक भोजपुरी गाने सिर्फ फन नहीं है, यह हैशटैग चलाया। अपनी मुहीम के बारे में बात करते हुए विशाल मिश्रा ने कहा, 'जिस तरह से हिंदी गानों को लोग आदर के साथ सुनते हैं। ठीक उसी तरह से भोजपुरी गाने भी हैं, जिनका कोई मतलब है। बस हम चाहते हैं लोग गानों को दिल से सुने और समझे। भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार मनोज तिवारी ने बताया कि इस गाने के साथ ही आज उन्होंने अपना एक नया रिकॉर्ड बनाया है। मनोज तिवारी ने कहा, 'मैंने अपना पहला गाना 25 मार्च 1996 में गाया था और मार्च का महिना मेरे लिए हमेशा ही खास रहा है। इस गाने के साथ ही मैंने अपने 5 हजार गाने का रिकॉर्ड पूरा कर लिया है। इस गाने में न सिर्फ मेरा संगीत अलग है, बल्कि इतने सालों के लुक से हटकर मुझे लुक दिया गया है'। मनोज तिवारी यही पर शांत नहीं हुए उन्होंने आगे कहा, 'मैं अपने इस गाने से किसी का अनादर नहीं करना चाहता हूं, भोजपुरी सिनेमा में हर कोई अच्छा गाना गाता है। मैं सिर्फ ये कहना चाहता हूं कि हमें थोड़े साफ सुथरे गाने ज्यादा से ज्यादा बनाने चाहिए'। अपने नए रोमांटिक ट्रैक के बारे में बात करते हुए मनोज तिवारी ने कहा, 'वैसे तो हमने भोजपुरी सिनेमा के कई महंगे गाने बनाए हैं। लेकिन यह गाना अब तक का भोजपुरी सिनेमा का सबसे बड़ा और सबसे महंगा गाना है। इस म्यूजिक वीडियो का बजट 80 लाख रुपए हैं'। आपको बता दें कि मनोज तिवारी के इस गाने को काशी में फिल्माया गया है। जहां भोजपुरी सिनेमा के बड़े सुपरस्टार मनोज तिवारी ने बेहतरीन म्यूजिक कंपोजर विशाल मिश्रा के साथ मिलकर इस गाने को खूबसूरती से गाया, तो वही बिग बॉस के एक्स कंटेस्टेंट विशाल सिंह आदित्य और कलश एक्ट्रेस अपर्णा दीक्षित पर यह गाना फिल्माया गया है।

सोनम कपूर की प्रेगनेंसी की खबर से झूम उठे पिता अनिल कपूर जल्द ही बनने वाले हैं नाना

नई दिल्ली। बॉलीवुड के झक्कास अभिनेता अनिल कपूर जल्द ही नाना बनने वाले हैं। सोनम कपूर ने सोशल मीडिया पर पति आनंद आहूजा के साथ एक ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीर को शेयर करते हुए फैन्स को अपनी प्रेगनेंसी की जानकारी दी। इस जानकारी के सामने आने के बाद हर कोई सोनम कपूर और आनंद आहूजा को सोशल मीडिया के जरिए बधाई दे रहा है। सोनम कपूर के पिता अनिल कपूर जल्द ही नाना बनने जा रहे हैं। अपने घर में नन्हें मेहमान का स्वागत करने के लिए झक्कास एक्टर काफी उत्सुक नजर आए सोनम के पिता और बॉलीवुड के झक्कास अभिनेता अनिल कपूर ने अपनी खुशी को सोशल मीडिया के जरिए खास अंदाज में शेयर किया। उन्होंने बेटी सोनम कपूर और अपने दामाद आनंद आहूजा की कई अलग-अलग तस्वीरें अपने सोशल मीडिया पर शेयर की।

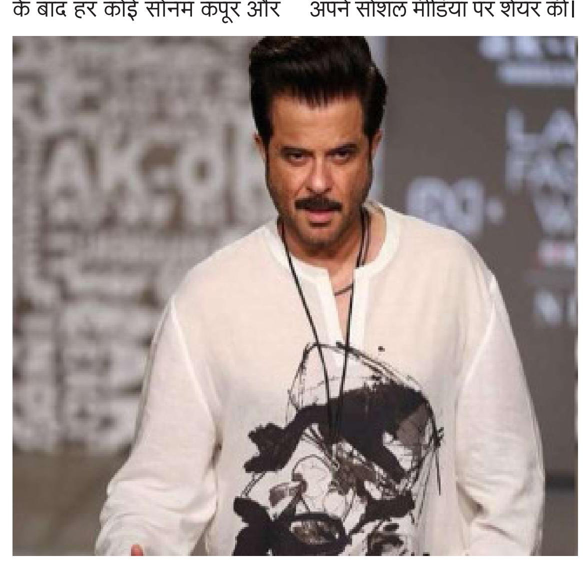

इन तस्वीरों को शेयर करते हुए अनिल कपूर ने कैप्शन में लिखा, 'अब मैं अपनी जिंदगी की सबसे मजेदार भूमिका निभाने की तैयारी कर रहा हूं, जोकि नाना की है। हमारी जिंदगी अब पहले की तरह नहीं होने वाली है और मैं इससे ज्यादा किसी चीज का शुक्रगुजार नहीं हो सकता। अनिल कपूर ने आगे ट्वीट करते हुए इस खुशी के लिए बेटी सोनम कपूर और दामाद आनंद आहूजा का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा, 'सोनम कपूर और आनंद आहूजा आपने हमें इस दुनिया सबसे बड़ी खुशी दी है। अनिल कपूर के नाना बनने की खुशी जैसे ही सोशल मीडिया पर शेयर की। फैन्स ने उन्हें इस खुशी के लिए बधाई दी। एक फैन ने उनके इस ट्वीट पर री-ट्वीट करते हुए लिखा, 'अनिल कपूर सर और नाना, यह बिलकुल अविश्वसनीय सा है'। दूसरे यूजर ने लिखा, 'बोले तो एकदम झक्कास' बहुत- बहुत बधाई हो कपूर साहब'। अन्य यूजर ने लिखा, 'क्यूटेस्ट, हैंडसम और एवरग्रीन झक्कास नानू। बहुत-बहुत बधाई हो अनिल सर'। अनिल कपूर की बड़ी बेटी सोनम कपूर की शादी साल 2018 में हुई थीं। लंदन बेस्ड बिजनेसमैन आनंद आहूजा को लंबे समय तक डेट करने के बाद अभिनेत्री सोनम कपूर ने उनसे 8 मई 2018 को सात-फेरे लिए। दोनों की शादी इंडिया में ही सोनम कपूर की नानी के बांद्रा स्थित घर पर हुई। सोनम कपूर और आनंद आहूजा अपनी शादी के तीन साल बाद माता-पिता बनने जा रहे हैं।

सारा खान का भड़का अली मर्चेंट पर गुस्सा कहा तुम्हारी वजह से आज तक

नई दिल्ली। कंगना रनोट का विवादित शो ' लॉकअप' दर्शकों को खूब पसंद आ रहा है। हर दिन के साथ यह शो और भी दिलचस्प होता जा रहा है। जहां एक तरफ सायशा के दिल में मुनन्वर के लिए सॉफ्ट कॉर्नर बढ़ रहा है। तो वही दूसरी तरफ जबसे सारा खान के एक्स-हसबैंड अली मर्चेंट की कंगना के लॉकअप में एंट्री हुई है तबसे

विदाई फेम सारा खान काफी परेशान रहने लगी हैं। कुछ दिनों पहले तक शो के दर्शकों को ये लग रहा था कि कंगना का लॉकअप इन दोनों के बीच की दूरियां मिटा देगा, लेकिन सारा खान ने ये बता दिया कि अली मर्चेंट के लिए उनकी जिंदगी में अब कोई जगह नहीं है। हाल ही में ऑल्ट बालाजी ने विवादित शो का एक नया प्रोमो शेयर किया। इस प्रोमो में एक बार फिर से सारा खान और उनके एक्स-हसबैंड अली मर्चेंट के बीच खूब झगडा देखने को मिल रहा है। प्रोमो में सारा खान अली पर उनकी जिंदगी खराब करने का आरोप लगा रही हैं। सारा ने प्रोमो में अली से कहा, 'जब मुझे आपसे बात ही नहीं करनी तो आप मुझसे बात करने की कोशिश क्यों करते रहते हो। मेरी लाइफ में जो ठप्पा लगा हुआ है वह मैं आज तक सह रही हूं। फिर से मेरे सिर के ऊपर आ गए हो। सारा खान के इस इल्जाम के बाद अली मर्चेंट भी चुप नहीं रहे और उन्होंने अभिनेत्री के आरोपों का मुंहतोड़ जवाब देते हुए कहा, 'तुझे खुद को पता है कि तुम अपनी जिंदगी में कैसे चल रही थी, जिसकी वजह से तुम जिंदगी में अब तक सेटल नहीं हो पाई'। अली मर्चेंट की इस बात को सुनने के बाद सारा खान ने गुस्से में अपना आपा खोकर उन्हें खूब खरी -खोटी सुनाई। सारा ने कहा, 'तुम मुझे कह रहे हो, कि मैं अपनी जिंदगी में सेटल नहीं हो पाई, जिसने मेरी जिंदगी ख़राब कर दी'। मेरे कंधे पर चढ़कर मत चलो'। दोनों के बीच जेल में खूब झगडा हुआ। सारा खान और अली मर्चेट ने बिग बॉस के घर के अन्दर शादी की थी। सारा ने जब शादी की थी वह काफी यंग थी। साल 2010 में सारा खान ने बिग बॉस के सीजन 4 में हिस्सा लिया था और इसी शो में अली मर्चेंट और सारा ने शादी की, लेकिन दो महीने में ही दोनों की शादी टूट गई। दोनों ने अपना रिश्ता खत्म होने के बाद एक-दूसरे पर काफी आरोप लगाए। अब 12 साल के बाद एक बार फिर से अली मर्चेंट और सारा अली खान नेशनल टेलीविजन पर एक साथ आए है।

सोनम कपूर की प्रेग्नेंसी पर बहन रिया कपूर ने यूं जताई खुशी एकता कपूर ने कहा- हॉट मासी

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनम कपूर ने 21 मार्च को बेबी बंप के साथ कुछ तस्वीरें शेयर करते हुए अपनी प्रेगन्नेंसी की घोषणा की है। जिसेक बाद से उन्हें बधाई देने वालों का ताता लग गया है। इसी कड़ी में एक्ट्रेस की बहन रिया कपूर ने भी मासी बनने की खूशी साझा करते हुए एक प्यारा सा पोस्ट

शेयर किया है। जिस पर प्रोड्यूसर एकता कपूर ने मजेदार कमेंट किया है। रिया कपूर ने अपने ऑफिशल इंस्टाग्राम अकाउंट पर सोनम कपूर द्वारा शेयर की गई फोटो को पोस्ट करते हुए कैप्शन में लिखा, 'ये हैं रिया मासी आपके लिए। हर दिन अभूतपूर्व है। लव यू।' रिया के इस पोस्ट पर कई बॉलीवुड सेलिब्रिटीज ने भी कमेंट किया है। जिनमें सबसे मजेदार एकता कपूर का कमेंट है क्योकि उन्होंने रिया को हॉट मासी बताया। पोस्ट पर कमेंट करते हुए एकता ने लिखा, 'हॉट मासी एलर्ट।' आपको बता दें, सोनम कपूर ने साल 2018 में बिजनेसमैन आनंद आहूजा से शादी की थी। जिसके बाद से उनकी प्रेगनेंसी को लेकर मीडिया में अक्सर सवाल उठते रहे हैं। लेकिन शादी के तकरीबन 4 साल बाद सोनम प्रेगनेट हैं और उन्होंने पति आनंद के साथ कुछ खूबसूरत तस्वीरें शेयर करते हुए फैंस को अपनी प्रेगन्नेंसी के बारे में बताया है तस्वीर में सोनम पति आनंद आहूजा की गोद में लेटी हुई नजर आ रही हैं और उनका बेबी बंप साफ दिखाई पड़ रहा है। सोनम कपूर और उनके पति आनंद ने बेबी बंप पर हाथ रखा हुआ है और उनके चेहरे से मां बनने की खुशी साफ झलक रही है। सोनम कपूर ने फोटोज शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'चार हाथ। तुम्हारी सबसे अच्छी परवरिश के लिए जो हम कर सकते हैं। दो दिल। जो तुम्हारे साथ-साथ धड़केंगे, हमारा परिवार, जो तुम पर प्यार बरसाएंगे और सपोर्ट करेंगे। हम तुम्हारा स्वागत करने के लिए अब और सब्र नहीं कर पा रहे हैं।' कुछ ही मिनटों में इन तस्वीरों पर लाखों लाइक्स आ गए हैं और कमेंट सेक्शन में सेलेब्स से लेकर फैंस तक हर कोई उन्हें शुभकामनाएं दे रहा है।

'आरआरआर' की रिलीज से पहले स्वर्ण मंदिर आशीर्वाद लेने पहुंचे राम चरण और राजामौली

नई दिल्ली। जूनियार एनटीआर, राम चरण और आलिया भट्ट अभिनीत फिल्म आरआरआर 25 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म की रिलीज से पहले अभिनेता और निर्देशक किए। जूनियर एनटीआर, राम चरण और राजामौली के स्वर्ण मंदर दर्शन करेने की जानकारी आरआरआर टीम ने तस्वीरें साझा कर दी है। तस्वीर में निर्देशक और अभिनेता सफेद कुर्ता पजामा में दृशन

एसएस राजामौली काफी उत्साह के साथ फिल्म का प्रमोशन कर रहे हैं। अब सोमवार को राजामौली और अभिनेताओं ने फिल्म की सफलता और आशीर्वाद के लिए अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में दर्शन करते हुए दिख रहे हैं और मंदिर परिसर में स्थित सरोवर में आचमन करने के बाद फैंस का हाथ जोड़कर अभिवादन कर रहे हैं। उनकी ये तस्वीर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। वहीं, उन्होंने रविवार को देश की राजधानी दिल्ली में फिल्म के प्रमोशन के लिए एक इवेंट का आयोजन किया था, जिसमें बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान ने शिरकत की थी। आरआरआर की टीम हैदराबाद, बेंगलुरु में फिल्म का प्रमोशन करने के बाद अब पंजाब में फिल्म का प्रमोशन करेगी। बता दें, फिल्म आरआरआर एक पीरियड फिल्म है। जिसको बाहुबली निर्देशक एसएस राजामौल के निर्देशन में बनाया गया है। इस फिल्म की कहानी दो तेलुगु स्वतंत्रता सेनानियों अल्लूरी सीता राम राजू और कोमाराम भीम से प्रेरित है। फिल्म में जूनियर एनटीआर, राम चरण और एक्ट्रेस आलिया भट्ट सीता के लीड किरदार में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन कैमियो रोल कर रहे हैं, जो काफी इंप्रेसिव होने वाला हैं। डीवीवी दानय्या प्रोडेक्शन हाउस के बैनर तले बनी इस पैन इंडिया फिल्म की रिलीज डेट को कोरोना महामारी के चलते कई बार पोस्टपोन किया जा चुका है। अब ये फिल्म 25 मार्च को हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ के साथ-साथ मलयालम में भी रिलीज होगी।

'रनवे 34' के ट्रेलर पर कालोज ने यूं किया रिएक्ट

नई दिल्ली। अजय देवगन, अमिताभ बच्चन और रकुल प्रीत सिंह स्टारर फिल्म 'रनवे 34' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। सस्पेंस से भरपूर इस ट्रेलर को सोशल मीडिया दर्शकों के साथ-साथ

बॉलीवुड सितारों की भी जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। इसी बीच एक्ट्रेस कालोज ने अपने ट्रेलर को अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर ट्रेलर वीडियो साझा कर अजय देवगन की तारीफ की है। कालोज ने किया रिएक्ट इस ट्रेलर वीडियो को इंस्टाग्राम पर शेयर कर अभिनेत्री ने लिखा, 'हर सेकेंड महत्वपूर्ण है। गर्व के साथ पेश है अजय देवगन के निर्देशन में बनी फिल्म रनवे 34 का ट्रेलर। हम टेक-ऑफ के लिए तैयार हैं। वहीं, ट्रेलर रिलीज होने के बाद सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक पोस्ट शेयर कर ट्रेलर की जमकर तारीफ की है। टर्न और ट्विस्ट से भरपूर इस ट्रेलर में अभिनेता अजय देवगन पायलट विक्रांत खनन के किरदार ने नजर आ रहे हैं, जो अक्सर अपनी गलतीयों को एक्सेप्ट करने की कोशिश करता हुआ दिखाई देता है। ट्रेलर में देखा जा सकता है कि विक्रांत खनन एक फ्लाइट से टेक-ऑफ करने के बाद खराब मौसम के चलते दुर्घटना का शिकार हो जाती है। हालातों को संभालने के लिए अभिनेता द्वारा लिए गए एक्शन के खिलाफ एक कमेटी का गठन किया जाता है, जिसका नेतृत्व अमिताभ बच्चन रहे हैं। बता दें, सच्ची घटना से प्रेरित रनवे 34 इमोशनल और हाई ओक्टेन थ्रिलर फिल्म है। ये फिल्म साल 2015 में दोहा से कोच्चि रहे विमान में हुई घटना से प्रेरित है। अजय देवगन के डायरेक्टोरियल में बनी इस फिल्म में अजय देवगन और रकुल प्रीत सिंह मुख्य किरदार में नजर आने वाली हैं। इनके अलावा फिल्म में अमिताभ बच्चन, बोमन ईरानी, कैरी मिनाती भी अहम भूमिका में नजर आने वाले हैं, जबकि अंगिरा धर एक वाकील का रोल प्ले करती दिखेंगी। तो आकांक्षा सिंह अजय की पतनी का किरदार निभाती हुई नजर आएंगी। ये एक्शन ड्रामा फिल्म 29 अप्रैल, 2022 को ईद के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डा0 दीपक अरोरा द्वारा
रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए
बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र.) 211002 से मुद्रित
एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी
औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
(उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।